CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-327
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

हार मत मानो हमेशा अगला मौका जरूर आता है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 03 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

किसान सम्मान आभार सम्मेलन- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के किसानों को दी बड़ी सौगात

5 रुपए में बिजली का स्थायी कनेक्शन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मध्यप्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी है। किसानों को सौगात देते हुए सीएम ने कहा कि मप्र के किसानों को 5 रुपये में बिजली का स्थायी कनेक्शन मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह योजना मध्य क्षेत्र में सबसे पहले लागू की जाएगी। इसके बाद पश्चिम क्षेत्र में इसका विस्तार होगा। सीएम राजधानी भोपाल में आयोजित किसान सम्मान आभार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सीएम डॉ मोहन यादव ने घोषणा की कि अब 5 रुपए में किसानों को बिजली का स्थाई कनेक्शन मिलेगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को इसके लिए व्यवस्था करने और तत्काल लागू करने के लिए निर्देशित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार इस बजट में किसानों को सोलर पंप के माध्यम से बिजली के झंझट को खत्म करने की प्लानिंग कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले तीन साल में 30 लाख सोलर पंप दिए जाएंगे। सीएम ने कहा कि सोलर एनर्जी उत्पादन करने वाले किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पंप दिए जाएं। उन्होंने कहा कि तीन साल में सभी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 घंटे किसानों को बिजली मुहैया रहेगी। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता और जीवनदाता हैं। किसान की हर समस्या का हल है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि पूरा विश्व श्रद्धा से पीएम मोदी की ओर देख रहा है। डॉ. मोहन यादव ने अपने बयान में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने गांवों के विकास को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार में यह बेशर्मी से कहा जाता था कि गांवों में सड़कों की क्या जरूरत है। इन्होंने कभी गांव नहीं देखा, जबकि भारत को समझने के लिए गांव देखना जरूरी है।

अभी स्थायी कनेक्शन के लिए देने पड़ते हैं 7500 रुपए

अभी खेतों के लिए स्थायी बिजली का कनेक्शन लेने के लिए किसानों को मोटी रकम देने पड़ती है। मध्यप्रदेश में खेती के लिए किसानों को को स्थायी और अस्थाई कनेक्शन मिलता है। स्थायी कनेक्शन लेने वाले के लिए किसानों को कम से कम 7500 रुपए देने पड़ते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां किसानों की ही सरकार है। किसानों की बिजली आवश्यकता को पूरा करने के उन्हें मात्र 5 रुपये में बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। कंपनी दर कंपनी इसको अलग क्षेत्रों से होते हुए पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को इसके लिए व्यवस्था करने और तत्काल लागू करने के लिए निर्देश दिया।

गेहूं खरीदी का सरकारी दाम मात्र 447 था, जिसे बढ़ाकर हमने 2600 रुपए तक पहुंचाया है। धान उपार्जन करने वाले किसानों को भी इसी सत्र से उनकी फसल का दाम 4000 क्विंटल मिलने लगेगा। जीआईएस के माध्यम से कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। दूध पर बोनस देकर किसानों की आमदनी बढ़ाने की मंशा सरकार की है। प्रदेश की सभी निकायों में गौशाला बनाई जाएंगी। इसके लिए दिए जाने वाले खर्च को भी दुगुना किया जा रहा है। उन्नत कृषि के लिए अच्छे बीच लाए जाएंगे।

तीसरा नदी जोड़ो अभियान भी जल्द

सीएम यादव ने चंबल क्षेत्र की स्थिति का भी जिक्र किया और कहा कि पहले वहां बंदूकें उठाई जाती थीं, लेकिन अब स्थिति में बदलाव आ रहा है। प्रदेश का कोई खेत खाली नहीं रहेगा, हर जगह पानी पहुंचाया जाएगा। हम एक और नदी जोड़ो अभियान जल्द शुरू करेंगे। सीएम ने कहा कि प्रदेश में जल्दी तीसरा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट आकार लेगा। मौजूदा दो प्रोजेक्ट ने किसानों की जिंदगी बदलने की हालात बना दिए हैं। उन्होंने कहा कि 2003 तक प्रदेश में

जैविक खेती से अलग पहचान बनाएं किसान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषकों से फसल चक्र में बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धान के बदले में मूंगफली और प्राकृतिक फसलों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जैविक खेती से मध्यप्रदेश अपनी अलग पहचान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में उत्पादित कपास से क्रांति आने वाली है। किसान परिवार के व्यक्ति को रोजगार देने वाली टेक्सटाइल मिलों को 5 हजार रुपए का बोनस दिया जाएगा। कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने की कोशिश जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। गेहूं और धान पर दिए जा रहे प्रोत्साहन के समान ही दुग्ध उत्पादन पर भी प्रोत्साहन स्वरूप बोनस प्रदान किया जाएगा। दस से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान दिया जाएगा। गांव-गांव में गोपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। गौ-शाला चलाने वालों को प्रति गाय 20 रुपए के स्थान पर 40 रुपए का अनुदान देकर गौ-शालाओं को सक्षम बनाया जाएगा। गौ-माता परमात्मा की हम पर असीम कृपा है। गौ-माता प्रकृति और परमात्मा के बीच संबंध का सूत्र है। बेसहारा, अशक्त और वृद्ध गौ-माताओं के आश्रय के लिए भोपाल सहित सभी बड़ी नगर निगमों में 10 हजार क्षमता की गौ-शालाएं बनाई जाएगी।

जिला स्तर पर कृषि मेले लगाए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में उन्नत कृषि यंत्र, उन्नत बीज और कृषि व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर कृषि मेले लगाए जाएंगे। वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार वैश्विक स्तर पर उपलब्ध श्रेष्ठतम बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रदेश में सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत एक लाख करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना और 70 हजार करोड़ से चंबल-काली सिंध-पार्वती लिंक परियोजना का क्रियान्वयन जारी है। इसी के साथ ही महाराष्ट्र के सहयोग से तापी नदी पर तीसरी नदी जोड़ो परियोजना आरंभ होगी।

वृद्ध डॉक्टर ने बेटी को जहर देकर मारा, फिर फांसी लगाकर दे दी जान

स्टेटस पर लिखा...मैं जिंदादिल इंसान था

भोपाल। राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र के शक्ति नगर में रहने वाले एक वृद्ध होम्योपैथी डॉक्टर का शव घर में फंदे पर लटका मिला, वहीं उनकी होम्योपैथी डॉक्टर बेटी का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। प्रारंभिक पड़ताल में पुलिस को पता चला है कि बेटी मानसिक रोगी हो गई थी, जिसकी वजह से डॉक्टर पिता बहुत परेशान रहते थे। इस कारण उन्होंने बेटी को जहर दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत के बाद वृद्ध डॉक्टर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस आत्महत्या और बेटी की हत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। डॉक्टर ने आत्महत्या करने से पहले सोशल मीडिया पर एक स्टेटस भी लगाया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि मैं जिंदादिल इंसान था..।

गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक 82 वर्षीय हरिकिशन शर्मा शक्ति नगर में रहते थे और भेल से रिटायर्ड थे। वे होम्योपैथी डॉक्टर थे तथा सेवानिवृत्त होने के बाद वे घर में ही डिस्पेंसरी चलाते थे। उनके घर में बड़ी संख्या में होम्योपैथिक दवाइयां भी बरामद हुई हैं। हरिकिशन शर्मा का शव फंदे पर लटका मिला। पास में उनका मोबाइल मिला है, जिसकी इंस्टाग्राम स्टोरी में सुसाइड नोट लिखा है। सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरी बेटी की मानसिक स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है। मैं खुद भी कई बीमारियों से पीड़ित हूं। मुझे भी सेवा की जरूरत है और बेटी को भी। मैं बेटी की देखभाल ठीक से नहीं कर पा रहा हूं। बहुत दिनों से इस तरह की परेशानी को सह रहा हूं, लेकिन अब नहीं सहा जाता। जिंदगी से थक गया हूं.. इस कारण अब मैं आत्महत्या कर रहा हूं।

थाना प्रभारी तोमर ने बताया कि हरिकिशन शर्मा की छोटी बेटी 36 वर्षीय चित्रा शर्मा भी उनके साथ ही रहती थीं, उसकी शादी नहीं हुई थी। कुछ पड़ोसियों ने चित्रा शर्मा को भी आयुर्वेद या होम्योपैथी डॉक्टर की पढ़ाई पूरी करना बताया है, लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। मोहल्ले के लोग बताते हैं कि हरिकिशन शर्मा के जवान बेटे और फिर पत्नी का समय से पहले निधन हो जाने के कारण शर्मा डिप्रेशन में आ गए थे। इसके बाद से ही वे डिप्रेशन में रह रहे थे। भाई और मां की मौत के बाद चित्रा शर्मा भी डिप्रेशन में चली गई और बाद में वह मेंटल डिसार्डर की शिकार हो गई। शर्मा को ही मानसिक बीमार बेटी की पूरी देखभाल करनी पड़ती थी। शर्मा की बड़ी बेटी और दामाद भोपाल में ही रहते हैं, लेकिन वे उनसे मिलने कभी-कभार ही घर आते थे। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।

केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ सुरक्षाकर्मी से भी की गई हाथापाई

सात में से एक आरोपी गिरफ्तार, छह की तलाश जारी

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव में एक केंद्रीय मंत्री की बेटी और उनकी सहेलियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने छेड़छाड़ करने वाले एक आरोपी को धर दबोचा है। बाकी छह की तलाश है। पुलिस के मुताबिक मुक्ताईनगर में महाशिवरात्रि मेले के दौरान यह घटना हुई। सातों युवकों ने केंद्रीय मंत्री की बेटी और उनकी सहेलियों के साथ छेड़खानी की। मोबाइल फोन से उनकी फोटो लेने की कोशिश भी की। जलगांव के पुलिस उपाधीक्षक कृष्णनाथ पिंगले के मुताबिक 28 फरवरी को कोथली गांव में यात्रा के दौरान आरोपी अनिकेत भोई, पीयूष मोरे, सहम कोली, अनुज पाटिल, किरण माली और सचिन पलवी छेड़छाड़ की। आरोपियों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और अभद्र टिप्पणी की। पीड़िता की मां की शिकायत पर हमने पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया है कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य की तलाश जारी है। अनिकेत भोई के खिलाफ पहले से ही दो से चार मामले दर्ज हैं। मेले में केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी के साथ भी हाथापाई हुई है। उसकी शिकायत भी दर्ज कर ली गई है। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि किसी भी तरफ का कोई दबाव नहीं है। ये लड़के मेले में शामिल थे। उन्होंने ही यह कृत्य किया है। हमने छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की उम्र 18 साल से कम है। मामले में आईटी एक्ट की धाराओं को भी जोड़ा गया है। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि बाकी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अपनी बेटी और अन्य समर्थकों के साथ शिकायत दर्ज कराने पुलिस थाने पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मैं एक केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में नहीं बल्कि न्याय मांगने वाली मां के रूप में पुलिस स्टेशन आई हूं। अगर एक जनप्रतिनिधि की बेटी को परेशान किया जा सकता है तो आम लोगों की सुरक्षा का क्या मैं मुख्यमंत्री से मिलूंगी और ऐसी घटनाओं पर कार्रवाई की मांग करूंगी।

टीम इंडिया का अजेय अभियान जारी

चैंपियंस ट्रॉफी के के आखिरी लीग मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रन से हराया

दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया का अजेय अभियान जारी है। रविवार को श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी के बाद वरुण चक्रवर्ती (42/5) की मिस्ट्री गेंदों के कमाल से भारत ने न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में हरा दिया। मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने भारत को 9 विकेट पर 249 रन पर रोक दिया था। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 45.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 205 रन बना सकी। ऐसा लग रहा था कि छोटा स्कोर है तो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की और लगातार न्यूजीलैंड पर दबाव बनाए रखा। केन विलियमसन को छोड़ दिया जाए तो कोई भी कीवी बल्लेबाज मैदान पर भारतीय गेंदबाजों को झेल नहीं सका। अब भारतीय टीम 4 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के साथ पहला सेमीफाइनल इसी दुबई स्टेडियम में खेलेगी, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की भिड़ंत साउथ अफ्रीका के साथ 5 मार्च को है।

पंड्या ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में किया कमाल

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरुआत खराब रही। रचिन रविंद्र 6 रन बनाकर हार्दिक पंड्या की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद तो धड़ाधड़ विकेट गिरते रहे, जबकि केन विलियमसन चट्टान की तरह मैदान पर अड़े रहे। टी-20 विश्व कप 2021 में इसी दुबई के मैदान पर खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम से बाहर होने वाले वरुण चक्रवर्ती ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने पहला विकेट विल यंग (22) को क्लीन बोल्ड करते हुए लिया। इसके बाद तो विकेटों की झड़ी लगा दी।

भारतीय स्पिनर्स का रहा बोलबाला

भारत इस मुकाबले में चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था। भारतीय टीम को चार स्पिनर उतारने का फायदा मिला क्योंकि न्यूजीलैंड के नौ विकेट स्पिनरों ने ही झटके, जो चैंपियंस ट्रॉफी में एक पारी में स्पिनरों द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं। इससे पहले साल 2004 में पाकिस्तान के स्पिनर्स ने केन्या के खिलाफ आठ विकेट चटकाए थे। भारत की ओर से मोहम्मद शमी एकमात्र गेंदबाज रहे जो खाली हाथ रहे। उन्होंने हालांकि, इस मैच में सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी की।

गिरते चले गए न्यूजीलैंड के विकेट

डेरिल मिचेल (17) को कुलदीप यादव ने एलबीडब्ल्यू किया तो टॉम लाथम को रविंद्र जडेजा ने 14 रनों के स्कोर पर चलता किया। फील्डिंग से कोहराम मचाने वाले ग्लेन फिलिप्स को वरुण चक्रवर्ती की नाचती गेंद के आगे असहाय दिखे और 12 रन पर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल 2 रन पर आउट हुए तो रही सही कसर केन विलियमसन के 81 रनों पर आउट होते ही पूरी हो गई। उन्होंने 120 गेंदों में 7 चौके जड़े, जबकि अक्षर पटेल की गेंद पर वह आउट हुए।

ग्रुप-ए में टॉप पोजिशन

इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-ए में टॉप पोजिशन के साथ फिनिश किया है यानी कि भारत का सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को इसी मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से होगा। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें खेलेंगी।

अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय को मिली 39 करोड़ की सौगात, बनेगा 6 मंजिला भवन

इंदौर। आखिरकार इंदौर के आयुर्वेद महाविद्यालय के अच्छे दिन आ ही गए। साल 1972 से संचालित इस प्रतिष्ठित संस्थान के लिए शासन ने 39 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी है, जिससे 6 मंजिला नया भवन बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव लगभग 6 साल पहले तैयार किया गया था, लेकिन कभी कोरोना काल, कभी प्रस्ताव में संशोधन, तो कभी चुनावी तैयारियों के कारण यह योजना बार-बार अटकती रही। अब सभी बाधाएं दूर हो चुकी हैं और नए भवन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। आयुर्वेद महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रिंसिपल एपी सिंह के अनुसार, यह संस्थान पिछले 53 वर्षों से केवल 15 से 18 हजार वर्गफीट क्षेत्र में संचालित हो रहा है, जो भारत सरकार के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा आयोग के मापदंडों के अनुसार पर्याप्त नहीं है। इसलिए, महाविद्यालय ने नया भवन बनाने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे 6 साल

बाद आखिरकार स्वीकृति मिल गई है। नए अकादमिक भवन का निर्माण कुल 32,000 वर्गफीट क्षेत्र में होगा। यह भवन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के मानकों के अनुरूप बनाया जाएगा, जिसमें कुल 14 विभाग कक्ष और हॉल होंगे। प्रत्येक विभाग के लिए जरूरी लैब, मीटिंग हॉल और सभागार भी होंगे। इसके अलावा, विद्यार्थियों के लिए 150 स्टूडेंट्स की क्षमता वाले 6 हाईटेक क्लासरूम तैयार किए जाएंगे। महाविद्यालय में लगभग 300 विद्यार्थियों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक बड़ी लाइब्रेरी हॉल भी बनाई जाएगी। वहीं, स्टूडेंट्स के लिए 400 सीटों वाला ऑडिटोरियम भी प्रस्तावित है।

लिफ्ट, रैंप और अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी उपलब्ध

इस नए भवन में भविष्य में स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। भवन में हर मंजिल तक पहुंचने के लिए लिफ्ट और रैंप की सुविधा दी जाएगी, जिससे दिव्यांग छात्र भी आसानी से मूव कर सकें। साथ ही, आधुनिक शौचालयों का निर्माण भी किया जाएगा।

भूतल में होगा विशाल पार्किंग एरिया

नए भवन के बेसमेंट में पार्किंग सुविधा भी उपलब्ध होगी, जहां 50 चार पहिया और 200 दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग की जगह बनाई जाएगी। इस भवन का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। यह नया भवन आयुर्वेद महाविद्यालय को एक आधुनिक पहचान देगा और छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधाएं प्रदान करेगा। लंबे समय से प्रतीक्षित यह प्रोजेक्ट अब जल्द ही धरातल पर उतरने वाला है, जिससे संस्थान का स्तर और भी ऊंचा उठेगा।

तैयारी पूरी...लेकिन अभी तक नहीं पहुंची स्वच्छता रैंकिंग टीम

इंदौर। सात बार से स्वच्छता में सरताज इंदौर में अभी तक स्वच्छता रैंकिंग के लिए सर्वे की टीम नहीं आई है। दूसरे कुछ शहरों में टीम के आने की सुगबुगाहट है और लोगों के फीडबैक की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, लेकिन इंदौर में अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। इस बार 4000 से ज्यादा शहर स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग ले रहे हैं। इंदौर लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर बनने की रेस में अग्रणी है। कहा जा रहा है कि 15 मार्च तक दिल्ली से सर्वेक्षण के लिए टीम इंदौर आ जाएगी। इसके चलते फिर से नगर निगम ने बैकलेन, नालों की गाद हटाने और निर्माण स्थलों से धूल हटाने का काम शुरू कर दिया है। पिछले साल स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम जनवरी माह में ही आ गए थे, लेकिन इस बार अब तक स्वच्छता सर्वेक्षण ही नहीं हो पाया है। अब स्वच्छता के तय मापदंड पहले से कड़े हैं, क्योंकि इंदौर, सूरत और मुंबई को स्वच्छता प्रीमियर लीग में रखा है।

अन्य शहरों की स्वच्छता का आकलन आसान होगा, लेकिन इन तीन शहरों में सामान्य सफाई के अलावा वायु, जल, श्रीआरआर सहित अन्य पैमानों पर शहरों को परखा जाएगा। इंदौर का कड़ा मुकाबला सूरत से है, क्योंकि पिछली बार इंदौर के साथ सूरत को भी संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार मिला था।

बैकलेन में कैरम खेलने पहुंचे मेयर और निगमायुक्त शहर की बैकलेन में सबसे ज्यादा कचरा बिखरा रहता है। लोग डोर टू डोर वाहनों में कचरा देने के बजाए कई बार बैकलेन में कचरा फेंक देते हैं। इसे लेकर नगर निगम लोगों को जागरूक कर रहा है। रहवासी संघों के साथ मिलकर अफसर बैकलेन साफ कर रहे हैं और फिर उसके रखरखाव का जिम्मा रहवासियों को दे रहे हैं। श्रीनगर एक्टेंशन की बैकलेन को नगर निगम ने साफ करने के बाद उसे सुंदर भी बनाया। रविवार सुबह मेयर पुष्य मित्र भार्गव और निगमायुक्त शिवम वर्मा बैकलेन में कैरम खेलने पहुंचे। इसके अलावा दोनों ने बैकलेन में साइकिल भी चलाई। इसके अलावा निगमायुक्त ने स्कीम-140 के व्यापारियों के साथ स्वच्छता को लेकर जनसंवाद भी किया। व्यापारियों ने कहा कि 56 दुकान और सराफा की तरह इस क्षेत्र की चौपाटी को भी डिस्पोजल फ्री बनाया जाएगा।

कचरे से कमाई में सूरत इंदौर से आगे इंदौर की बैकलेन में कचरा ठीक से साफ नहीं होता है। पहले अर्थदंड के कारण लोग कचरा फेंकने से बचते थे। अब फिर से कचरे के ढेर बिखरे दिखाई दे रहे हैं।

शहर के पुराने हिस्से में अभी भी खुली नालियां, जलजमाव और नदियों में सीवरेज जल मिलता है। इस बार सर्वेक्षण में इसे भी जांचा जाएगा। इस मामले में नंबर कम मिल सकते है। सफाई को लेकर लोगों में भी जागरूकता की कमी आई है। कई बस्तियों में कचरे के खुले ढेर नजर आते है। पब्लिक फीडबैक में इंदौर को कम नंबर मिल सकते है। 311 एप पर भी शिकायतें जल्दी नहीं सुलझाई जा रही है।

कचरे से कमाई में सूरत हमसे आगे है। इंदौर में सीएनजी प्लांट स्थापित किया गया, लेकिन मिक्स कचरे के कारण ज्यादा सीएनजी का उत्पादन नहीं हो पा रहा है। सूरत में कचरे से बिजली बनाने का प्लांट भी शुरू हो चुका है।

चार माह से हो रही तैयारी स्वच्छता को लेकर चार माह से इंदौर में तैयारियां हो रही है, लेकिन सर्वेक्षण नहीं होने के कारण उसे नए सिरे से फिर करना पड़ रहा है। नगर निगम ने पहले शहर के सभी सुविधाघरों की मरम्मत की। इसके अलावा नालों से गाद निकाली, लेकिन चार माह में फिर हालात पहले जैसे नहीं रहे। कलर पेंट किए डिवाइडरों पर फिर गंदगी नजर आ रही है। नालों में गाद जमी हुई है और बैकलेन में फिर कचरे के ढेर हैं।

फरवरी में टूटा रिकॉर्ड, हर दिन 12,945 यात्रियों ने भरी उड़ान

इंदौर। फरवरी का महीना इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। साल के सबसे छोटे महीने के बावजूद, फरवरी में रोजाना उड़ान भरने वाले यात्रियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह महीना इंदौर एयरपोर्ट के इतिहास में सबसे ज्यादा औसत दैनिक यात्रियों वाला दूसरा सबसे बड़ा महीना बना। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 1 से 28 फरवरी के बीच कुल 2,637 उड़ानों के माध्यम से 3,62,458 यात्रियों ने सफर किया। इस तरह, रोजाना औसत 12,945 यात्रियों ने इंदौर एयरपोर्ट से यात्रा की। वहीं, जनवरी में 2,861 उड़ानों के जरिए 3,77,207 यात्रियों ने उड़ान भरी थी। हालांकि जनवरी में कुल यात्रियों की संख्या अधिक रही, लेकिन दैनिक औसत के हिसाब से फरवरी आगे निकल गया। जनवरी में प्रति दिन औसत 12,168 यात्री सफर कर रहे थे, जबकि फरवरी में यह आंकड़ा 12,945 हो गया। यानी, रोजाना यात्रियों की संख्या में 777 की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पहली बार 100 उड़ानों का रिकॉर्ड फरवरी में न सिर्फ यात्रियों की संख्या का रिकॉर्ड बना, बल्कि पहली बार एक दिन में उड़ानों का आंकड़ा 100 तक पहुंचा। 14 फरवरी को इंदौर एयरपोर्ट से कुल 100 उड़ानें संचालित हुईं, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इसके अलावा, चार अन्य दिनों में उड़ानों की संख्या 98 तक पहुंची थी।

हर दिन दो नई उड़ानें जुड़ीं फरवरी में यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ उड़ानों की संख्या में भी इजाफा हुआ। जहां जनवरी में औसतन 92 उड़ानें प्रतिदिन संचालित हो रही थीं, वहीं फरवरी में यह संख्या बढ़कर 94 हो गई। यानी, हर दिन दो अतिरिक्त उड़ानें जोड़ी गईं।

मार्च में बन सकता है नया रिकॉर्ड, अप्रैल में हल्की गिरावट संभव ट्रैवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव अमोल कटारिया के अनुसार, इंदौर एयरपोर्ट पर यात्री संख्या और उड़ानों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मार्च में यात्रियों की संख्या 4 लाख तक पहुंच सकती है और यह महीना नए रिकॉर्ड बना सकता है। हालांकि, 1 अप्रैल से रनवे की मरम्मत के कारण रात 10:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक उड़ानों का संचालन बंद रहेगा, जिससे उड़ानों की संख्या में हल्की गिरावट आ सकती है। इसके बावजूद, गर्मी की छुट्टियों के चलते यात्रियों की संख्या में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

तालाब में नहाने गए 10 साल के बच्चे की डूबने से मौत

इंदौर। इंदौर के धार रोड़ स्थित सिदौडा ग्राम में तालाब में नहाने गया 10 साल के मासूम की डूबने से रविवार को मौत हो गई। दोस्त उसे देखकर घर गया और परिजनों को बात बताई। परिजन पहुंचे तब बच्चा डूब चुका था।पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। चदंन नगर पुलिस ने बताया अर्जुन भामर (10) दोस्त के साथ खेलते हुए पास ही बने तालाब में नहाने लगा। वह गहराई में चला गया और उसमें डूबने लगा। डूबता देख दोस्त कुछ ही दूरी पर घर पहुंचा और परिजनों को इसकी जानकारी दी लेकिन जब तक परिजन पहुंचे वह डूब चुका था। बाद में उसे निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसके मृत हो जाने की जानकारी दी। मृतक अर्जुन तीसरी कक्षा में पढ़ता था। पिता किसानी करते है। परिवार मूल रूप से धार का रहने वाला है। उसका एक भाई और बहन भी है।

महिला की आत्महत्या के मामले में पति, सास और देवर पर केस

इंदौर। इंदौर के यादव मोहल्ले में रहने वाली एक नवविवाहिता ने शादी के 6 साल बाद करीब 3 महीने पहले सुसाइड कर लिया था। घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। जांच पर पुलिस ने पति, देवर और सास को आरोपी बनाया है। जूनी इंदौर पुलिस ने बताया कि सपना अटुदे(21) निवासी यादव मोहल्ला ने 8 दिसबंर 2024 को फांसी लगाकर जान दे दी। मामले में एसीपी ने परिवार के बयान लिए। जिसके बाद पति संदीप, सास कुसुमबाई और देवर राहुल को पुलिस ने आरोपी बनाया। पुलिस को मृतका के भाई राजेश ने बताया कि वह भोपाल के रहने वाले है। करीब 7 साल पहले संदीप से सगाई हुई तो दोनों मोबाइल पर बात करते थे। सपना नाबालिग थी शादी में देर से होने के चलते संदीप अपने साथ भोपाल से सपना को लेकर आ गया ओर नाबालिग उम्र में शादी कर ली। सपना और संदीप को शादी के बाद एक 5 साल की बेटी और एक 4 माह का बेटा है। जनवरी 2024 में सपना के साथ सास कुसुमबाइ ने मारपीट की। इस दौरान उसे जान से मारने का प्रयास किया। इसके बाद वह सपना को अपने साथ भोपाल लेकर चले गए। सपना ने परिवार को बताया था कि संदीप के किसी अन्य महिला से सबंध है। इस बात को लेकर विवाद हुआ तो सास और देवर के कहने पर उन्होंने मारपीट की। इसके बाद सास कुसुमबाइ ने भी मारपीट की। कुछ माह बाद सपना को समझौता कर अपने साथ ले गए। लेकिन उसके साथ मारपीट करते रहे। इन सब बातों से तंग आकर उसने अपनी जान दे दी।

पुलिस ने की कॉम्बिंग गश्त, 635 पर बदमाशों पर कार्रवाई

इंदौर। शहर में क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस ने शनिवार देर रात कॉम्बिंग गश्त की। अलग-अलग इलाकों में बैरिकेड्स लगाकर पुलिस ने वाहनों की जांच की और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई की। इसके साथ ही पुलिस ने गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखते हुए 1235 बदमाशों की जांच की, जिनमें से 635 पर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर इंदौर में हर सप्ताह एक दिन कॉम्बिंग गश्त की जा रही है। इसमें शहर के आला अधिकारी से लेकर पुलिसकर्मी तक सड़कों पर मुस्तैद रहते हैं। शनिवार रात को भी पुलिस ने विभिन्न इलाकों में बैरिकेड्स लगाकर संदिग्ध गाड़ियों की जांच की। इस दौरान 1235 बदमाशों को चेक किया गया, जिनमें 318 से ज्यादा वारंट तामील किए गए। इसमें 85 स्थायी, 84 गिरफ्तारी, 149 जमानती वारंट और 171 समन शामिल हैं। गश्त के दौरान 185 वाहन चालक शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए, जिन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के 5 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की।

नगर निगम ने चलाया अभियान विक्रेताओं के पास से जब्त की अमानक पॉलिथिन

इंदौर। नगर निगम की टीम ने अमानक स्तर की पॉलिथीन के खिलाफ रविवार को कार्रवाई की। टीम ने चालानी कार्रवाई करते हुए टीम ने अमानक पॉलिथीन भी जब्त की। अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशन में स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया, सीएसआई जोन-2 अनिल सिरसिया एवं सीएसआई जोन-20 सौरभ साहू द्वारा जोन-13 के पवनपुत्र नगर स्थित यादव किराना एवं चोइथराम मंडी गेट के पास ठेले वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसी क्रम में जोन-2, वार्ड 69 मालगंज चौराहा स्थित पॉलिथीन व्यापारी वीरेंद्र जैन की दुकान पर भी छापामार कार्रवाई की गई। जहां दूध की दुकानों पर उपयोग होने वाली 50 माइक्रोन से कम मोटाई की अमानक पॉलिथीन बेची जा रही थी। निगम द्वारा 22 किलोग्राम अमानक एवं प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों पर पांच-पांच हजार और एक हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया गया।

इंटरनेशनल ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो का आज आखिरी दिन

इंदौर। इंदौर में मध्यप्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2025 का 3 मार्च को आखिरी दिन है। 28 फरवरी से लाभ गंगा गार्डन में शुरू हुए इस एक्सपो में युवा उद्यमियों के लिए ढाई सौ से ज्यादा स्टॉल हैं। चार दिनी इस भव्य एक्सपो में विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि और नवाचार प्रेमियों को एक ही मंच पर लाने का अवसर प्रदान किया गया है। यह आयोजन पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचर कम्युनिकेशन इवेंट एंड एग्जीबिशन प्रा. लि. द्वारा आयोजित किया गया है। एक्सपो में एक जिला, एक उत्पाद योजना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट) व हथकरघा (हैंडलूम), पैकेजिंग उद्योग, सौर ऊर्जा (सोलर) और ऊर्जा क्षेत्र,औद्योगिक मशीनरी और ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

एक्सपो में बड़े मशीन निमार्ता और कंपनियां अपने नए उत्पादों का प्रदर्शन कर रही हैं। आगंतुकों को एक्सपो में बड़ी मशीनों को वास्तविक समय में काम करते देखने का अवसर मिल रहा है। इससे वे औद्योगिक प्रक्रियाओं को और बेहतर समझ सकेंगे। एक्सपो में 250 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें कच्चा माल, मशीन पार्ट्स, अत्याधुनिक औद्योगिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

मुंबई, दिल्ली सहित देश के सभी प्रमुख महानगरों से बड़े उद्योग समूह और निमार्ता इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से भी प्रमुख उद्योगपति अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रदर्शनी में विजिटर्स के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।

तीन युवकों पर चाकू से हमला दो की हालत गंभीर

इंदौर। इंदौर के हीरानगर क्षेत्र में शनिवार देर रात चाकूबाजी की घटना हुई, जिसमें तीन युवकों पर उनके ही परिचितों ने हमला कर दिया। इस वारदात में दो युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनो आरोपियों को पकड़ लिया है। वह गोवा भागने की तैयारी में थे। पुलिस के मुताबिक, घायल युवकों की पहचान गोलू (19) पुत्र देवीसिंह ठाकुर, कुणाल (18) पुत्र रूपसिंह बघेल और करण के रूप में हुई है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कुणाल ने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्तों बबलू तोमर, बाबू उर्फ पच्चीस, आयुष साहू, करण, विवेक तिवारी, गोलू खटीक और ऋषभ ठाकुर के साथ जाम का बगीचा क्षेत्र में शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान बबलू तोमर और बाबू उर्फ पच्चीस की करण और गोलू से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर बबलू और बाबू ने चाकू निकालकर कुणाल, करण और गोलू पर हमला कर दिया।

इस हमले में कुणाल को पैर और पेट में चाकू लगे, जबकि करण के हाथों और गोलू के पैरों पर वार किया गया। इसी बीच विवेक तिवारी ने चाकू छीनकर कुणाल की पीठ पर हमला कर दिया। घायल कुणाल को उसके दोस्तों ने एक्टिवा से एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जबकि करण को बाद में उसके रिश्तेदार अस्पताल लेकर आए। गोलू की हालत गंभीर होने के चलते उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने इस मामले में रविवार दोपहर सभी आरोपियों को पकड़ा है। वह रातभर पुलिस से बचकर घूमते रहे। वह दोस्तो से रूपए को लेकर संपर्क कर रहे थे। जिसमें गोवा जाने वाले थे। उसके पहले पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

रक्तदाता ने 700 किमी दूर से भोपाल आकर दिया रेयर ब्लड, बची महिला की जान

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स के चिकित्सक जहां अपनी पूरी शक्ति से मरीजों का इलाज करते हैं वहीं मरीजों की जान बचाने के लिए हर तरह के प्रयास करने को तैयार रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिस में एम्स डॉक्टरों ने एक एनीमिया पीड़ित गर्भवती महिला को रेयर ब्लड ग्रुप उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाई है। गर्भवती महिला की जान बचाने के लिए न सिर्फ डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाई, बल्कि एक रक्तदाता ने 700 किलोमीटर की दूरी तय कर अपना दुर्लभ रक्त देकर महिला को नया जीवनदान दिया। बताया जा रहा है कि महिला को एनीमिया था और वह 40 वीक की प्रेग्नेंसी में थी। एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि गर्भवती महिला की हालत गंभीर थी। तत्काल ब्लड चढ़ाने की जरूरत थी, लेकिन चुनौती यह थी कि महिला का रक्त समूह 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' था, जो अत्यंत दुर्लभ होता है। अस्पताल के ब्लड बैंक में यह उपलब्ध नहीं था। महिला का जीवन संकट में था। डॉक्टरों के पास समय कम था और अगर जल्द ही रक्त नहीं मिलता, तो जच्चा और बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता था।

ब्लड बैंक टीम को किया सक्रिय

एम्स भोपाल के निदेशक प्रो. अजय सिंह को जब यह जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत चिकित्सकों और ब्लड बैंक टीम को सक्रिय कर दिया। वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. संजय वर्मा, डॉ. सीमा अग्रवाल और ब्लड बैंक प्रभारी आदित्य शुक्ला ने मिलकर एक आपातकालीन योजना बनाई। ब्लड बैंक में खोजबीन के बाद जब रक्त नहीं मिला, तो समाजसेवी संगठन 'जीवन संजीवनी' से संपर्क किया गया, जो दुर्लभ रक्त समूहों के रक्तदाताओं की सूची तैयार करने में मदद करता है।

शिर्डी से विशेष वाहन आए रक्तदाता इस संगठन के प्रमुख अशोक नायर, जो वर्षों से रक्तदान जागरूकता के लिए काम कर रहे हैं, ने मामले को प्राथमिकता से लिया और संभावित रक्तदाताओं की खोज शुरू की। उसी दौरान जानकारी मिली कि शिर्डी में रहने वाले रवींद्र, जो स्वयं बॉम्बे ब्लड ग्रुप के दुर्लभ रक्तदाता हैं, मदद के लिए आगे आ सकते हैं। समस्या यह थी कि रवींद्र उस समय शिर्डी में थे, जबकि महिला भोपाल में भर्ती थी और उसे तुरंत रक्त की आवश्यकता थी। बिना समय गंवाए, अशोक नायर और एम्स भोपाल प्रशासन की मदद से एक विशेष वाहन की व्यवस्था की गई। रवींद्र ने तत्काल 700 किलोमीटर की यात्रा शुरू की और समय से पहले भोपाल पहुंचने के लिए पूरा प्रयास किया। इस दौरान अस्पताल प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए था और डॉक्टर मरीज की हालत को नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे थे। दूसरी तरफ, रवींद्र भी अपनी यात्रा के दौरान हर घंटे अपनी स्थिति साझा कर रहे थे, ताकि डॉक्टरों को अनुमान रहे कि रक्तदान कब तक संभव होगा। जैसे ही रवींद्र भोपाल पहुंचे, तुरंत मेडिकल जांच के बाद उनका रक्त निकाला गया। फिलहाल महिला अभी स्थिर हालत में है।

रातभर में भोपाल पहुंचे और डोनेट किया ब्लड डॉक्टर रोमेश जैन ने बताया कि, एसोसिएट प्रोफेसर एक प्रेग्नेंट महिला करीब चार महीने से लगाता आ रहीं थीं, हमें इस दौरान पता चला कि महिला का बॉम्बे ब्लड ग्रुप है, जिसके बाद हम पिछले तीन महीने से डिलीवरी के लिए उस ब्लड की तलाश कर रहे थे। वह ब्लड हमें भोपाल में कहीं से भी उपलब्ध नहीं हो पाया। इस दौरान हमें पता चला कि अशोक नायर जो कि ब्लड डोनेशन सेक्टर में लंबे समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हमारा संपर्क रवींद्र जो कि शिर्डी में रहते हैं उनसे करवाया। वह रातभर में भोपाल पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने ब्लड डोनेट किया। जिसके बाद महिला की सुरक्षित डिलीवरी करवा पाए।

तीन महीने से परेशान हो रहे थे महिला के पति कपिल ने बताया कि हम तीन महीने से परेशान हो रहे थे, हमें नहीं लग रहा था कि यह ब्लड कहीं मिलेगा। कई जगहों पर पता करने के बाद निराश ही मिली। मैं रवींद्रजी का आभारी हूं। जो ऐसे समय में वे भोपाल आए। वहीं शिर्डी से आए रवींद्र ने कहा कि बाई कार यहां आया हूं। 28 फरवरी की रात शिर्डी से निकल कर 1 मार्च को भोपाल पहुंचा। मैं लोगों से यही कहूंगा कि रक्त दान हम तीन महीने में करना चाहिए, इससे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है।

जीआईस में भोपाल के लिए आए सबसे ज्यादा निवेश प्रस्ताव

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में मध्यप्रदेश को 26.61 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। यह समिट दो दिन चली। भोपाल को सबसे ज्यादा 5.8 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। इंदौर और उज्जैन को लगभग 4.7 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले। अडानी ग्रुप, टोरेंट पावर, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और अवाडा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों ने निवेश का वादा किया। ये निवेश रिन्यूएबल एनर्जी, हॉस्पिटैलिटी, माइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, कळ, डेटा सेंटर और अर्बन डेवलपमेंट जैसे कई क्षेत्रों में होंगे।

भोपाल और आसपास के इलाकों में ग्रीन एनर्जी, एविएशन, हॉस्पिटैलिटी प्रोजेक्ट्स, हेल्थकेयर, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस और अर्बन डेवलपमेंट में निवेश की खास रुचि दिखाई गई। एनएचएआई ने इंदौर-भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर बनाने की योजना का ऐलान किया। इस प्रोजेक्ट में 1.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू साइन हुआ है। यह एमओयू जमीन अधिग्रहण और स्थानीय सहायता के लिए है।

केन्स टेक्नोलॉजी ने भोपाल के आईटी पार्क में एसएमटी मैन्युफैक्चरिंग के लिए 352 करोड़ रुपए निवेश करने का वादा किया है। इससे करीब 1,650 नौकरियां पैदा होंगी। इनएविया एविएशन कंसलटेंट्स जीएमबीच और एमपी सिविल एविएशन के बीच 500 करोड़ के निवेश से भोपाल में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल यूनिट बनाने के लिए एमओयू साइन हुआ। प्रधान एयर के साथ एक और एमओयू हुआ। इसके तहत 150 करोड़ के निवेश से मध्य प्रदेश में उज्जैन एयर नाम की एक छोटी इंट्रा-स्टेट एयरलाइन शुरू होगी।

नीतियां कर रहीं आकर्षित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल में अपनी एक सुविधा स्थापित करेगा। इससे क्षेत्र के शैक्षणिक और अनुसंधान परिदृश्य को और समृद्ध करेगा। एमपीआईडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रमौली शुक्ला के मुताबिक हर सेक्टर पर केंद्रित नई नीतियों से प्रमुख निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करने में मदद मिली है। आकर्षक नीतियों और राज्य में भूमि की उपलब्धता के कारण लगभग हर क्षेत्र ने शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इंदौर क्षेत्र में बहुत सारी पूछताछ हुई थी। शिखर सम्मेलन के दौरान विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, खनन और शहरी विकास ने अधिकतम निवेश के इरादे हासिल किए हैं। यानी हर सेक्टर के लिए नई नीतियां बनाई गई हैं। इससे निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिली है। राज्य में अच्छी नीतियां और जमीन उपलब्ध होने के कारण लगभग हर क्षेत्र को निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इंदौर क्षेत्र में निवेशकों ने काफी पूछताछ की। सबसे ज्यादा निवेश मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, माइनिंग और अर्बन डेवलपमेंट में आए हैं।

इंदौर में भी निवेशकों की दिलचस्पी इंदौर क्षेत्र ने 4.76 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए। इंदौर में टोरेंट पावर और अक्षत ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड ने बड़े निवेश का वादा किया है। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में, इंडो यूरोपियन रिसर्च एंड हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, रुसान फार्मा लिमिटेड, अल्फा लैबोरेटरीज लिमिटेड और मयंक वेलफेयर सोसाइटी इंडेक्स सिटी हॉस्पिटल ने निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह समिट मध्यप्रदेश के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार को उम्मीद है कि इन प्रस्तावों से लाखों नौकरियां पैदा होंगी। यह समिट राज्य के विकास के लिए एक गेम चेंजर साबित हो सकता है

गर्लफ्रेंड से परेशान होकर 18 साल के युवक ने लगा फांसी

युवक के पिता ने लगाया आरोप, भाई ने किया हंगामा

भोपाल। भोपाल के आनंद नगर में 18 साल के युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पिता का आरोप है कि बेटे ने प्रेम प्रसंग के चलते जान दी है। गर्लफ्रेंड उसे परेशान कर रही थी। आए दिन महंगे तोहफे मांगती थी। आईफोन की डिमांड कर रही थी।

युवक का शव रविवार सुबह परिजनों ने बाथरूम में फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। भाई की मौत के बाद बहन ने उसकी गर्लफ्रेंड के घर हंगामा कर दिया। बहन ने लड़की को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। हालांकि पुलिस ने लड़की को छोड़ दिया है।

मृतक राज मीणा (18) कारपेंटर था। वह इंडस्ट्रीयल एरिया में फर्नीचर फैक्ट्री में जॉब करता था। राज के पिता ने बताया कि बेटे का रत्नागिरी में रहने वाली एक लड़की से अफेयर था। बेटे ने यह बात घर में भी बता रखी थी, लड़की दूसरी समाज की थी। हमें शादी से कोई आपत्ति नहीं थी। समझाते थे कि सही उम्र हो जाने पर शादी करा देंगे। राज के पिता ने बताया कि बेटा उसकी भाभी से सभी बातें शेयर करता था। सुसाइड से एक दिन पहले बेटे ने भाभी को बताया था कि गर्लफ्रेंड गिफ्ट में आईफोन मांग रही है। इससे पहले भी वह कई गिफ्ट लड़की को दे चुका था। लड़की उसे प्रताड़ित करने लगी थी। उसके प्रेम का फायदा उठाकर परेशान करती थी। बात नहीं करने की धमकी देकर उसे तंग करती थी। इसी लड़की के कारण मेरे बेटे की जान गई है।

राज के पिता का कहना है कि लड़की पर कार्रवाई होना चाहिए। उसकी प्रताड़ना के कारण बेटे की जान गई है। हमने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा, लेकिन पुलिस ने उसे छोड़ दिया। वहीं पिपलानी थाने के टीआई अनुराग लाल ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के डिटेल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

भोपाल में आज से 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप

देशभर की 27 टीमों के रोइंग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

भोपाल। भोपाल के बड़े तालाब पर 3 से 7 मार्च तक 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे। रविवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री सारंग ने कहा कि, मध्यप्रदेश में वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए यह चैंपियनशिप महत्वपूर्ण है। उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब को देश की सबसे बेहतर वाटर बॉडी बताते हुए कहा कि यह आयोजन खेल प्रेमियों के लिए एक शानदार अवसर होगा।

इस चैंपियनशिप में देशभर की कुल 27 टीमों के रोइंग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें 23 राज्यों की टीमों के अलावा इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफोर्स और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमें भी शामिल होंगी। यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी।

इस प्रतियोगिता के तहत कुल 14 इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 02 इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग के होंगे। इस चैंपियनशिप से न केवल रोइंग खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

इस बार चैंपियनशिप का सीधा प्रसारण बोट क्लब सहित राजधानी के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा, जिससे खेल प्रेमी इस रोमांचक मुकाबले का आनंद ले सकेंगे। आयोजन की पूरी जिम्मेदारी मध्यप्रदेश के खेल और युवा कल्याण विभाग की वाटर स्पोर्ट्स अकादमी एवं भारतीय रोइंग संघ द्वारा की जा रही है। भोपाल के बड़े तालाब पर आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता से न केवल प्रदेश में रोइंग खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह आयोजन राज्य को वाटर स्पोर्ट्स के हब के रूप में भी स्थापित करने में सहायक होगा।

मप्र का बदला मौसम, मुरैना में बारिश के साथ गिरे ओले

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मुरैना में बारिश के साथ चने के आकार के ओले भी गिरे। जिससे सुमावली, दिमनी, अंबाह विधानसभा क्षेत्रों के मृगपुरा, लीला का पुरा, मैथाना, हंसराज का पुरा, बंधा, नायक पुरा और अजीत पुरा समेत कई गांवों में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसके साथ ही एमपी में मार्च महीने में तेज गर्मी, लू, बादल और हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अलर्ट के अनुसार पहले सप्ताह में बादल छाएंगे। वहीं, चौथे सप्ताह में लू चलेगी। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में 3 से 4 दिन लू चल सकती है। 20 मार्च के बाद कुछ जिलों में हल्की बारिश होने के आसार भी हैं।

15 मार्च के बाद 40 डिग्री पार पहुंचेगा पारा मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मार्च में बारिश के सामान्य से कम होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। प्रदेश में मार्च से ही हीट वेव यानी लू भी चलेगी। 15 मार्च के बाद जब शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचेगा, तब गर्म हवा का असर देखने को मिलेगा। मार्च से गर्मी के सीजन की शुरूआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

मौसम विभाग ने जारी किया अनुमान मौसम विभाग के मुंताबिक मार्च के पहले सप्ताह में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक यानी 16-18 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। भोपाल, सागर, रीवा, शहडोल और चंबल संभाग में सामान्य 14-16 डिग्री तापमान रहेगा। दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, रीवा और शहडोल संभाग में सामान्य से अधिक यानी 32 से 34 डिग्री के बीच जाएगा। भोपाल, नर्मदापुरम, सागर और जबलपुर संभाग में यह सामान्य 30-32 डिग्री पर बना रहेगा। इस दौरान बारिश होने का अनुमान नहीं है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। वहीं दूसरे सप्ताह में इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक होगा जबकि गुजरात के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग में तापमान सामान्य 15-17 डिग्री तक रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में सामान्य से बढ़े रहेंगे। भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग में यह सामान्य 31-34 डिग्री सेल्सियस पर बना रहेगा। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से में बादल जरूर छाए रहेंगे।

धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

यूको बैंक के पूर्व मैनेजर और मेसर्स बीजासन एग्रो के खिलाफ केस

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने मेसर्स मां बिजासेन एग्रो इन्फ्रास्ट्रक्चर वेयरहाउस और अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) दर्ज की है। यह प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों से पहले विशेष न्यायालय (पीएमएलए), भोपाल के आदेश के आधार पर 28 फरवरी को दर्ज की है। विशेष न्यायालय (पीएमएलए) भोपाल ने इस पर संज्ञान लिया है। ईडी ने सीबीआई के एंटी करप्शन ब्यूरो भोपाल में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इसमें यूको बैंक के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक मुरैना शाखा रंजन कुमार सिन्हा, रवींद्र कुमार शर्मा पुत्र मुरारी लाल शर्मा मैसर्स मां बीजासेन के भागीदार एग्रो इन्फ्रास्ट्रक्चर, संगीता शर्मा पत्नी रवींद्र कुमार शर्मा पार्टनर मेसर्स मां बीजासेन एग्रो इन्फ्रास्ट्रक्चर और अन्य के खिलाफ जांच की गई है।

ईडी की जांच से पता चला कि तत्कालीन यूसीओ बैंक मुरैना शाखा मुख्य प्रबंधक रंजन कुमार सिन्हा और मेसर्स मां बीजासेन एग्रो इन्फ्रास्ट्रक्चर के भागीदार फर्जी वेयर हाउस रसीदों के आधार पर धोखाधड़ी में शामिल हैं और बैंक ऋण प्राप्त करने के लिए मिलीभगत की गई है। इसके चलते यूको बैंक को 9.65 करोड़ रुपए का गलत भुगतान और नुकसान हुआ है। इससे पहले ईडी ने इसी मामले में अनंतिम कुर्की आदेश जारी कर 4.08 करोड़ रुपए की पीओसी कुर्क की गई। सितंबर 2023 में और इसकी पुष्टि एलडी ने भी की थी।

संपादकीय

जानवरों को महज जानवर न समझें ये इंसान के वजूद का सहारा हैं

काफी लंबे अर्से से संयुक्त राष्ट्र इंसानी वजूद के खतरे को लेकर मानवता को आगाह करता आया है। संयुक्त राष्ट्र और 132 देशों के समर्थन से तैयार एक आकलन रिपोर्ट में कहा गया है कि मनुष्य उसी प्रकृति को बेहद तेजी से नष्ट कर रहा है, जिस पर उसका अस्तित्व निर्भर है। इंसानी करतूतों मसलन जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जंगलों की अंधाधुंध काटाई वगैरह का खामियाजा जैव एवं पादप प्रजातियां भुगत रहीं हैं। रिपोर्ट में प्रकृति और पारिस्थितिकी तंत्र (ईकोसिस्टम) पर आर्थिक विकास के प्रभाव का विशेष रूप से विश्लेषण किया गया था। इसमें कहा गया था कि पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य जिस पर हम और अन्य सभी जैव प्रजातियां निर्भर हैं, पहले से कहीं अधिक तेजी से खराब हो रहा है। हम अपनी अर्थव्यवस्था, आजीविका, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता की नींव को ही मिटा रहे हैं।

पिछले 100 सालों में रीढ़धारी प्राणियों की 200 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। यानी प्रति वर्ष औसतन 2 प्रजातियां विलुप्त हो रहीं हैं, मगर पिछले बीस लाख वर्षों में जैविक विलुप्ति की दर को देखें तो 200 प्रजातियों को विलुप्त होने में सौ नहीं बल्कि दस हजार वर्ष लगने चाहिए थे। वास्तव में, यह रिपोर्ट इससे कहीं आगे जाकर चेतावनी देते हुए कहती है कि पशुओं और पौधों की लगभग 10 लाख प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। इनमें से हजारों प्रजातियां आने वाले दशकों में ही विलुप्त हो जाएंगी। आकलन रिपोर्ट में विलुप्त होने की इस दर को अब तक के मानव इतिहास में सबसे अधिक बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के 400 से अधिक विशेषज्ञों के एक दल ने समरी फॉर पॉलिसीमेकर नामक इस रिपोर्ट को तैयार किया था। रिपोर्ट में यह साफ चेतावनी थी कि आगे प्रकृति से छेड़छाड़ का यही हाल रहा तो भविष्य में इन प्रजातियों के नामोनिशान मिटने के साथ-साथ पृथ्वी से इंसानों का भी सफाया हो जाएगा। पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन के लिए सभी वन्य प्राणियों का संरक्षण बेहद जरूरी है, अन्यथा किसी भी एक वन्य प्राणी के विलुप्त होने पर पूरी संरचना धीरे-धीरे बिखरने लगती है। चूंकि पारिस्थितिकी तंत्र में विभिन्न जीव एक दूसरे पर निर्भर हैं, इसलिए अन्य प्राणियों की विलुप्ति से हम मनुष्यों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। नए वैज्ञानिक अध्ययन यह बताते हैं कि इंसान जानवर को महज जानवर न समझे, बल्कि अपना वजूद बनाए रखने का सहारा समझे। दो या तीन दशकों के भीतर मनुष्य अगर जैव विविधता में गिरावट को नहीं रोक पाया, तो मानव अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा।

आज भी कई लोग ऐसा मानते हैं कि कुछ प्रजातियों के विलुप्त होने से मानव अस्तित्व पर कोई खतरा नहीं आएगा। यह दावा बेमानी है जबकि हकीकत यह है कि पूरी पारिस्थितिकी तंत्र एक इमारत की तरह है। ऐसे में एक ईंट के कमजोर होने या गिरने से पूरी इमारत के धराशायी होने का खतरा रहता है। छोटे-से-छोटे जीव की पारिस्थितिकी संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मधुमक्खियों के खात्मे की ही कल्पना लीजिए। मधुमक्खियों के बगैर परागण नहीं होगा, फसलें और पेड़ नहीं फलेंगे और पेड़ नहीं होंगे तो कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन में कौन बदलेगा? फिर इंसान और दूसरे जीव सांस कैसे ले पाएंगे? इसलिए ऐसी कई प्रक्रियाएं हैं जिनमें से किसी एक जीव के गायब हो जाने से अप्रत्याशित परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

यही वजह है कि विश्व वन्यजीव दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। हर साल 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। यह दिन वन्यजीवों और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके संरक्षण की दिशा में वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना है। विश्व वन्यजीव दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि वन्यजीव केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि हमारे जीवन के लिए भी अनमोल हैं। विश्व वन्यजीव दिवस मनाने की घोषणा 20 दिसंबर 2013 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की थी। यह दिन दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य संकटग्रस्त प्रजातियों के अवैध व्यापार को रोकना और उनके संरक्षण को सुनिश्चित करना था। पहली बार 2014 में विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया था। हर साल संयुक्त राष्ट्र इस दिन के लिए एक विशेष थीम तय करता है। 2025 की थीम 'वन्यजीव संरक्षण वित्त- लोगों और ग्रह में निवेश' है। यह थीम वन्यजीवों के संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण से जुड़ी होती है। यदि हम वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति लापरवाह रहेंगे, तो इससे पूरी पारिस्थितिकी प्रणाली पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। हमें वन्यजीवों की रक्षा करने और उनके प्रति जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस अद्भुत जैव विविधता का आनंद ले सकें। वन्यजीवों को हमारे पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। विश्व वन्यजीव दिवस हमें वन्य जीवों की घटती प्रजातियों और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक करता है। साथ ही यह जैव विविधता की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

साफ दिख रहा कुदरत पर इंसानी कहर का नतीजा

क्या आपको भी सर्दियां सिकुड़ती और उनकी जगह गर्म दिन पसरते नजर आने लगे हैं? यह मौसम की दगाबाजी है या कुदरत पर इंसानी कहर का नतीजा? इसका हमारे जीवन पर क्या असर पड़ रहा है, यह जानना जरूरी है।

गोरखपुर, एम्स के चिकित्सक अचंभित हैं। उनके यहां 'हाइड्रोओ वैक्सीनफॉर्म' के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह दुर्लभ त्वचा रोग अति तीखी धूप के संपर्क में आने से होता है। आम तौर पर इसके मरीज रेगिस्तानी इलाकों में मिलते हैं। गोरखपुर और उसके आसपास का इलाका तराई जैसा है। राजस्थान के मुकाबले वहां धूप और शुष्कता कम रहती है। मतलब साफ है। धूप की प्रखरता इतनी बढ़ चली है कि मनुष्य की चमड़ी उसे सह नहीं पा रही।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर के चिकित्सा विशेषज्ञों ने अप्रैल से लेकर अगस्त 2024 के बीच आए इन मरीजों के डेटा का गहराई से अध्ययन किया। मालूम पड़ा कि अप्रैल से अगस्त के बीच 39 दिन तापमान 40 डिग्री से अधिक था, जो सामान्य से कहीं ज्यादा है। एम्स के ये आंकड़े बताते हैं कि 2021 में गोरखपुर और उसके आसपास के इलाके में 40 डिग्री या उससे अधिक तापमान वाले महज छह दिन थे। तीन साल में छह गुना से अधिक यह बढ़ोतरी क्या कहती है? यह सवाल तब और काबिले-गौर हो उठता है, जब हम उन भविष्यवाणियों पर नजर डालते हैं। उनके अनुसार यह वर्ष पिछले से कहीं अधिक गर्म हो सकता है।

पूर्वांचल का यह इलाका अकेला मौसम का मारा नहीं है। एक अन्य शोध में पाया गया है कि भारत में 'सीजनल अफेक्टिव डिसॉर्डर' के मरीजों की आमद अब फरवरी से ही शुरू हो गई है। कुछ साल पहले ऐसे रोगी मई-जून में डॉक्टरों का दरवाजा खटखटाते थे। मैं यहां आपसे नई दिल्ली की एक बेहद चिंताजनक रिपोर्ट पर बात करना चाहूंगा। वहां के चिकित्सकों के अनुसार, 40 से अधिक बच्चे एक दुर्लभ बीमारी 'जेरोडर्मा पिगमेंटोसा' से पीड़ित हैं। यह इतना खतरनाक रोग है कि अगर धूप की महज एक किरण उनके शरीर पर पड़ जाए, तो उन्हें कैंसर हो सकता है। इन बच्चों को सिर से पांव तक ढंककर रखा जाता है। वे रात में ही घर से बाहर कदम रख पाते हैं। नई उमर की नई फसल के लिए इससे घातक क्या हो सकता है?

इस गर्म होते वातावरण में मच्छर जनित बीमारियां भी नए रिकॉर्ड रच रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 60 वर्षों में डेंगू फैलाने वाले मच्छर के संक्रमण में 43.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023 में तो डेंगू के मामलों ने नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस वर्ष पचास लाख से अधिक लोग मच्छरों के मारे अस्पतालों तक पहुंचे। गर्मी किस तरह जानलेवा हो गई है, यह जानने के लिए 'ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ एलाएन्स' की कार्यकारी निदेशक जेनी मिलर के इस बयान पर गौर फरमाएं। मिलर ने पिछले वर्ष कहा था कि अत्यधिक गर्मी के कारण सिर्फ भारत में हीट स्ट्रोक के 40,000 से भी अधिक मामले सामने आए। इनमें से 700 लोगों ने दम तोड़ दिया। लैंसेट काउंटडाउन से जुड़े विशेषज्ञ मानव शरीर पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का भी अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने जिन 15 पहलुओं को अपने शोध का हिस्सा बनाया, उनमें से 10 के हालात चिंताजनक हैं।

तय है, आने वाले दिन तमाम अशगुनी गाथाओं में डूबते-उतराते नजर आ सकते हैं। मौसम के छलियेपन पर मेरा यह अनुभव सुनिए। पिछली 23 दिसंबर को मैं हर्षिल की मनोरम घाटी में था। उस दोपहर हम लोग घूम-घामकर लौटे थे कि ऐसा लगा, जैसे आसमान से रुई के फाहे बरस रहे हों। वह बर्फ थी, जो अगले 10 घंटे तक गिरती चली गई। देखते-देखते सड़कें सफेद चादर से ढंक गई और यातायात रोकना पड़ा। उस दिन स्थानीय नागरिक खुशी से उछले पड़ रहे थे। उनका मानना था कि इस साल बर्फ ज्यादा पड़ेगी। वे खुशफहम साबित हुए। गुजरता जाड़ा अकल्पनीय तौर पर गर्म साबित हुआ। गई 26 जनवरी को नई दिल्ली में तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि दिल्ली और उत्तर भारत के मैदानों में ये दिन भयंकर ठंड और कोहरे के होते हैं। राजधानी से हजारों किलोमीटर दूर बेंगलुरु से भी ऐसे ही हैरान करने वाले समाचार प्राप्त हो रहे हैं। इस मनोरम शहर में तापमान फरवरी के महीने में ही 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। कई मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार बेंगलुरु में गर्मी दिल्ली से ज्यादा भी पड़ सकती है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी फरवरी में गर्मी से बेजार रही। वहां तापमान 38.7 डिग्री तक पहुंच गया और हवाओं ने गर्मी पकड़ ली।

मौसम की यह मार धरती के सागरों और महासागरों को भी नुकसान पहुंचा रही है। समूची दुनिया में समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। आशंका है कि मुंबई, कराची, ढाका सहित तमाम शहर कुछ दशकों में अतीत की बात बन सकते हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि दुनिया की लगभग 10 फीसदी आबादी उच्च ज्वार रेखा से पांच मीटर से भी कम ऊंचाई वाले तटीय क्षेत्रों में रहती है। अगर हालात इसी तरीके से बिगड़े, तो इस सदी के अंत तक 10 करोड़ लोगों को जलावतनी के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। कुछ अन्य कारणों से देश छोड़ने के लिए मजबूर लोगों की बढ़ती संख्या ने समूची दुनिया में पहले ही संकट के हालात पैदा कर रखे हैं।

सवाल उठता है, इसका समाधान क्या है? यह ठीक है कि अब तक किए गए उपाय सिर्फ आंशिक तौर पर सफल हो सके, लेकिन हिम्मत कायम रखने की वजहें भी मौजूद हैं। उत्तरप्रदेश और बिहार के तमाम शहरों में गिरता जलस्तर थम गया है। कई स्थानों पर तो इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यदि इस मामले में आंशिक सफलता मिली है, तो क्यों न हम नए और महत्वाकांक्षी मापदंड स्थापित कर कड़ाई से उनका अनुपालन सुनिश्चित करें? कई देशों ने नदियों को बचाए और बनाए रखने के लिए उनको इंसानी शरीर का दर्जा दिया है। जो लोग उन नदियों को नुकसान पहुंचाते हैं, उनके खिलाफ वही कार्रवाई की जाती है, जो इंसानी देह को क्षति पहुंचाने पर होती है।

हमें हर उस मुद्दे पर ऐसी ही कड़ाई करने की जरूरत है, जो पर्यावरण के लिए क्षतिकारक साबित होते हैं। उम्मीद है, हमारे हुक्मरां और सिविल सोसायटी के लोग इस दिशा में मिलकर गंभीरता से आगे बढ़ेंगे।

बता दें कि शनिवार यानी 1 मार्च को ही रिपोर्ट आई है कि पूरे देश में इस बार का फरवरी महीना रिकॉर्डतोड़ तापमान वाला रहा। साल 1901 से देश में तापमान रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से यह सबसे गर्म फरवरी रहा। यानी इसने पिछले 125 साल का सबसे गर्म फरवरी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस साल जनवरी में भी ऐसा ही कुछ हुआ था। साल की शुरुआत का यह महीना भी 125 साल के इतिहास का तीसरा सबसे गर्म जनवरी रहा था। यहां पहले नंबर पर साल 2024 का जनवरी महीना है। ठंड के इन दो महीनों का बैक टू बैक रिकॉर्डतोड़ तापमान निश्चित तौर पर अच्छे संकेत नहीं दे रहा है। ठंड की फसलों के लिए यह हानिकारक है। गर्मी का बढ़ता कहर फिलहाल यहीं थमता नजर नहीं आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र ने मार्च से मई तक का जो पूर्वानुमान जारी किया है, वह भी डराने वाला है। भारत में फरवरी के दौरान औसत तापमान 22.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.34 डिग्री सेल्सियस अधिक है। बता दें कि इस महीने में 1901 के बाद से सबसे गर्म न्यूनतम तापमान और दूसरा सबसे गर्म अधिकतम तापमान भी दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मार्च से मई तक के मौसम के पूर्वानुमान में बताया है कि दक्षिण भारतीय राज्यों और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों के इक्का-दुक्का इलाकों को छोड़कर मध्य और उत्तर भारत में रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ेगी। इन इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने वाला है। वहीं सुदूर उत्तर, दक्षिण और पूर्वी राज्यों को छोड़कर पूरे भारत में हीटवेव का प्रकोप भी देखने को मिलेगा।

सबसे ऊंचे कद की प्रतिभा... 100 साल के हो गए मूर्तियों को गढ़ने वाले 'जादूगर'

देश-विदेश में मशहूर मूर्तिकार राम सुतार के चेहरे पर सौ की उम्र पार करने के बाद उम्र का कोई निशान नहीं दिखता। वे हरेक सवाल का नपा-तुला जवाब देते हैं। पूरी तरह से चैतन्य हैं। उनकी याददाश्त बिलकुल सही है। उनके साथ कुर्सी पर बैठकर बात करने का साहस नहीं होता क्योंकि उनकी शिखर शख्सियत के सामने इंसान खुद को बौना ही महसूस करता है। राम सुतार की बुलंद शख्सियत उनकी बनाई मूर्तियों में झलकती हैं। उनकी मूर्तियां विशाल हैं। उनमें भव्यता दिखाई देती है। इन रचनाओं से वे खुद को सिद्ध मूर्तिकार के रूप में स्थापित करते हैं।

बीती 22 फरवरी को ही राम सुतार ने अपने जीवन के सौ बरसों की यात्रा पूरी की। उनका सफर बदस्तूर जारी है। कहीं कोई थकान नहीं, कोई विश्राम करने की इच्छा नहीं। वह अब भी राजधानी के करीब नोएडा के अपने स्टूडियो में सुबह 11 बजे पहुंच जाते हैं। उसके बाद शाम 7 बजे तक काम चलता है। इस दौरान बेटा अनिल और दूसरे युवा मूर्तिशिल्पी भी वहीं रहते हैं। बीते लगभग साढ़े 7 दशकों से राम सुतार लगातार मूर्तियां बना रहे हैं और नए मूर्तिशिल्पियों को तैयार कर रहे हैं।

वे बेशक आधुनिक भारतीय मूर्तिकला के सबसे महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों में से एक माने जाएंगे। राम सुतार कहते हैं कि अच्छे मूर्तिकार को अलग-अलग तरह की तकनीकों और उपकरणों का उपयोग करने में कुशल होना चाहिए, जैसे नक्काशी, मॉडलिंग, वेल्डिंग और कास्टिंग। उसे रचनात्मक और कल्पनाशील होना चाहिए, जिसमें नए और मूल विचारों को पैदा करने की क्षमता हो। बेशक, राम सुतार में ये सभी गुण हैं।

आज से 67 साल पहले राम सुतार 1959 में अपने गृह राज्य महाराष्ट्र से दिल्ली आ गए थे। लेकिन महाराष्ट्र आज भी उनके दिल में धड़कता है। वे धीरे-धीरे बताते हैं कि उनका जन्म धुले जिले के गोडुंर गांव में हुआ था। परिवार की माली हालत कोई बहुत अच्छी नहीं थी। पिता कारपेंटर थे। मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद वे पढ़ाई में अव्वल रहते थे। वे बचपन से ही चित्रकारी करने लगे थे। उनके गुरु राम कृष्ण जोशी ने उनमें संभावनाएं देखीं। उनकी सलाह पर राम सुतार ने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स में दाखिला लिया। वे कहते हैं कि जेजे स्कूल में ही उनका मूर्तिकला की तरफ रुझान बढ़ा।

राम सुतार पत्नी प्रमिला और बेटे अनिल के साथ दिल्ली आए थे। वे सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रदर्शनी व प्रचार विभाग का हिस्सा बन गए। लेकिन नौकरी में उनका मन नहीं लगा। सरकारी दफ्तरों का माहौल उन्हें रास नहीं आया। उन्होंने पक्की सरकारी नौकरी छोड़ दी। हालांकि उन्होंने वहां काम करते हुए कुछ मूर्तियां बनाई थीं। वे नौकरी छोड़कर मूरत बनाने का कोई चुनौतीपूर्ण काम तलाशने लगे। कहते हैं कि अगर आप मन से कुछ चाहते हो तो वह मिल भी जाता है। उन्हें 1961 में गांधीसागर बांध पर देवी चंबल की 45 फुट ऊंची मूर्ति बनाने का मौका मिला।

राम सुतार ने इस अनूठी मूरत में देवी चंबल के दो बेटों - मध्यप्रदेश और राजस्थान को भी दिखाया। इसके तुरंत बाद उन्होंने राजधानी में संसद भवन के बाहर लगी गोविन्द वल्लभ पंत की आदमकद मूर्ति बनाई, जिसे काफी पसंद किया गया। 1961 में पंत के निधन के बाद राम सुतार को यह मौका मिला था। उनकी शुरुआती कृतियों में ही भाव और गति का अनूठा संगम देखने को मिलने लगा था।

बाद में उन्होंने संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी, महाराजा रणजीत सिंह, महात्मा ज्योतिराव फूले, छत्रपति साहू महाराज, पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, सरदार पटेल, जय प्रकाश नारायण वगैरह की मूर्तियां भी बनाई। इनमें से संसद भवन में लगी महात्मा गांधी की ध्यान अवस्था में बनी आदमकद मूर्ति लाजवाब है। उसी मूर्ति के सामने विपक्षी सांसदों का धरना-प्रदर्शन पूरा देश टीवी पर या अखबार में देखता है। हरेक भारतीय और मराठी मानुष की तरह सुतार भी मानते हैं कि शिवाजी महाराज धर्मनिरपेक्ष राजा थे। संसद भवन में स्थापित शिवाजी की 18 फीट ऊंची तांबे की मूर्ति को राम सुतार ने बहुत सुंदर तरीके से तैयार किया था।

राम सुतार ने वैसे तो कांस्य , पत्थर और संगमरमर पर अनेक मूरतें गढ़ी हैं। लेकिन उन्हें कांस्य पर मूर्तियों की रचना करना सबसे अच्छा लगता है। वे बताते हैं कि कांस्य पर बनी मूरतें सदियों तक चलती हैं क्योंकि यह मजबूत और टिकाऊ धातु है। इसके टूटने या खराब होने की संभावना कम होती है। यह तापमान बदलने, नमी और दूसरे पर्यावरणीय कारकों का सामना कर सकता है। इसके अलावा कांस्य की मूर्तियों को कम रखरखाव की जरूरत होती है। उन्हें सिर्फ साफ-सफाई चाहिए। आमतौर पर कोई खास उपचार या सुरक्षात्मक कोटिंग नहीं लगानी होती। राम सुतार बताते हैं कि इसी वजह से सदियों से मूर्तियों और दूसरी कलाकृतियों के लिए कांस्य का उपयोग किया जाता रहा है। कांस्य की हजारों साल पुरानी कई मूर्तियां अब भी अच्छी स्थिति में हैं।

यह कह सकते हैं कि राम सुतार ने लौह पुरुष सरदार पटेल की चर्चित प्रतिमा 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' से खुद को महान मूर्ति शिल्पियों की कतार में शामिल कर लिया। यह दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर (597 फीट) है। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2018 को किया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर बना है। इसके बाद दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची मूर्ति चीन में स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध है, आधार के साथ जिसकी कुल ऊंचाई 153 मीटर (502 फीट) हैं। राम सुतार बताते हैं कि सरदार पटेल की मूर्ति को बनाने का काम अक्टूबर 2018 में खत्म हो गया था। उन्हें 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' की रचना करने में बेटे अनिल सुतार और दर्जनों दूसरे साथियों का दिन-रात का सहयोग मिला। इसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई।

बचपन से ही राम सुतार के जीवन पर महात्मा गांधी का असर रहा है। उन्होंने अपने गांव में गांधी के दर्शन किए थे। उसके बाद जीवन की धारा ही बदल गई। मृदुभाषी राम सुतार ने सैकड़ों हस्तियों और देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाईं लेकिन गांधी की मूर्तियां गढ़कर उन्हें अपार सुख मिलता है। गांधी की एक मूरत उन्होंने 1948 में ही बना दी थी। तब वे महाराष्ट्र में थे। संसद भवन में स्थापित गांधी की मूर्ति 17 फुट ऊंची है। वे मानते हैं कि उनकी सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक संसद में लगी गांधी की प्रतिमा भी है।

कला मर्मज्ञ कहते हैं कि राम सुतार को देश के नायकों की 'लार्जर देन लाइफ' फौलादी प्रतिमाओं को चट्टान या पहाड़ के शीर्ष पर खड़ा देखना बहुत अच्छा लगता है। संसद भवन में गांधी की मूरत के पास खड़े होकर सुकून मिलता है। यह मूर्ति बेहद सजीव लगती और उसमें ऊर्जा को महसूस किया जा सकता है। इसका अनावरण 2 अक्टूबर 1993 को गांधी जयंती पर तब के राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने किया था। इसे स्थापित हुए 3 दशक पूरे होने जा रहे हैं। इसके अलावा, बिहार की राजधानी पटना के दिल गांधी मैदान में गांधी की दो बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक मुद्रा में बेहद सुंदर और सजीव प्रतिमा देखी जा सकती है। इसे भी राम सुतार ने अपने मूर्ति शिल्पी बेटे अनिल सुतार के साथ मिलकर बनाया था। इसकी ऊंचाई 72 फीट (22 मीटर) है। यह 15 फरवरी 2013 को स्थापित की गई थी। माना जाता है कि यह देश की सबसे ऊंची गांधी की कांस्य प्रतिमा है। वे बताते हैं कि गांधी मैदान में लगी गांधी की मूर्ति के आधार में उनके जीवन की 4 ऐतिहासिक घटनाएं -1930 में दांडी मार्च, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन, 1917 में चंपारण सत्याग्रह और गांधी का प्रतीक चरखा भी अंकित हैं। राम सुतार कहते हैं कि गांधी जी की मुस्कुराती छवि वाली यह प्रतिमा विश्व शांति का संदेश दूर तक लेकर जाती है और अमीर-गरीब के बीच की खाई पाटने को प्रेरित करती है। वैसे गांधी मैदान से मिलती-जुलती मूरत दिल्ली में गांधी स्मृति में भी है। गांधीजी ने अपने जीवन के अंतिम 144 दिन यहीं गुजारे थे। हालांकि इसकी ऊंचाई पटना की मूरत से काफी कम है।

राम सुतार अपनी कृतियों में जान डाल देते हैं। वे पूरे समर्पण और रिसर्च के बाद ही किसी प्रतिमा पर काम शुरू करते हैं। वेअपनी शर्तों पर काम लेते और करते हैं। उन्हें वक्त की सीमा के बंधन में बंधना पसंद नहीं है। वे अपना श्रेष्ठ काम तब दिखाते हैं जब उनके काम में कोई दखल नहीं करता। वे धुन के पक्के हैं और कभी थकते नहीं। उम्र के असर से बेखबर यह अनोखा कलाकार अपने शिल्पों में इतना डूबा रहता है कि दिन-रात का भेद भूल जाता है। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी भी उनके प्रशंसक थे। राम सुतार अपने आसपास की दुनिया को देखने-परखने में सक्षम हैं।

असल में मूर्तिकला जटिल, वक्त और मेहनत वाली प्रक्रिया है। किसी अच्छे मूर्तिकार को धैर्यवान और दृढ़ होना चाहिए। उसे अपने काम को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। राम सुतार कहते हैं कि इन गुणों के अलावा, अच्छे मूर्तिकार को कला के इतिहास और सिद्धांत का भी ज्ञान होना चाहिए। बेहतरीन मूर्तिकार वह होता है जो तकनीकी रूप से कुशल, रचनात्मक, कल्पनाशील, अवलोकनशील, समस्या-समाधान में कुशल, धैर्यवान और दृढ़ होता है।

राम सुतार की सक्रियता वास्तव में चमत्कारी है। वे नहीं मानते कि इंसान को किसी भी उम्र में बिस्तर पकड़कर बैठ जाना चाहिए। वे अब भी अपनेआप को व्यस्त रखते हैं। सुबह 7 बजे उठने के बाद योग करते हैं। उसके बाद उन्हें गर्मागर्म चाय पीना पसंद है। फिर नहा-धोकर दलिया और पिसे हुए 7-8 बादाम खाते हैं। दिन में 11 बजे तक अपने स्टूडियो पहुंचकर काम शुरू कर देते हैं। फिर लंच में दाल, मौसमी सब्जी, रोटी या चावल खाते हैं। शाम को फिर चाय। रात को डिनर भी लंच जैसा। रात साढ़े 10 बजे के बाद सोने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। कभी तबीयत ठीक न लगे तो वे होम्योपैथी की दवा ले लेते हैं।

शिक्षिका के निधन के बाद स्कूल प्रबंधन ने माता पिता को दी 5 लाख की आर्थिक सहायता

25 फरवरी को बाइक की टक्कर से स्कूल जाते समय हुई थी मौत

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ
भिंड, गत 25 फरवरी की सुबह स्कूल पढ़ाने जा रही शिक्षिका कुमारी मान्या जैन की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। रविवार को बिहारी स्कूल प्रबंधक राजेश शर्मा अपने स्टाफ और जैन समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ स्वर्गीय शिक्षिका कु.मान्या जैन के निवास पर पहुंचे और माता पिता को ढांढस बंधाया तथा शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही बिहारी स्कूल (सिटी सेंट्रल स्कूल) प्रबंधन की ओर से 5 लाख रुपए का चैक आर्थिक सहायता के रूप में भेंट किया। इस अवसर पर प्रबंधक और समाजसेवी श्री शर्मा ने कहा कि मान्या आपकी ही नहीं बल्कि हम सब की भी बिटिया थी। स्कूल प्रबंधन हमेशा आपके साथ है । इस अवसर पर सिटी सेंट्रल स्कूल के प्रबंधक पुनीत शर्मा, प्राचार्य प्रभात पाठक, प्राइवेट स्कूल एसोशिएशन के अध्यक्ष अवधेश शर्मा, मेडिकल एसोशिएशन के अध्यक्ष संजीव जैन, गोलालारे जैन समाज अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन, पावई जैन मंदिर के कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन, राजीव जैन, आनंद जैन (एलआईसी) सहित कई गणमान्य जन मौजूद रहे।
ज्ञात हो कि शिक्षिका मान्या जैन स्कूल जाते समय एक बाइक की टक्कर से गंभीर घायल हो गई थी। स्कूल प्रबंधन के द्वारा शिक्षिका को उपचार हेतु तत्काल जिला अस्पताल और फिर वहां से ग्वालियर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन दुर्भाग्यवश शिक्षिका की रास्ते में मौत हो गई थी।

अनूपपुर, भालूमाड़ा पुलिस ने विक्षिप्त महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, श्रीमान् अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा अप.क्र. 84/2025 धारा 64, 64(2)च, 351(3) बीएनएस 3(2)- एससी/एसटी एक्ट के फरियादी राम प्रसाद पिता जयलाल (काल्पनिक नाम) उम्र 65 वर्ष निवासी वार्ड नं0 10 भालूमाडा थाना भालूमाडा जिला अनूपपुर का अपनी लडकी सुहानी उर्फ नीरा (काल्पनिक नाम) एवं पत्नी के साथ उपस्थित थाना आकर रिपोर्ट किया की मेरी विक्षिप्त लड़की के साथ परसादी केवट उर्फ बाबा के व्दारा यह जानते हुए कि मेरी लड़की विक्षिप्त है एवं अनुसूचित जाति वर्ग की है उसके साथ लगातार गलत काम (बलात्कार) कर 6 - 7 माह का गर्भवती करने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के दौरान आरोपी रामप्रसाद केवट उर्फ परसादी उर्फ बाबा पिता विजय केवट उम्र 67 वर्ष निवासी गेट दफाई भालूमाडा का पता तलास कर भालूमाडा से गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया है जहाँ से आरोपी को न्यायिक हिरासत में जिला जेल अनूपपुर भेजा गया है। अहम भूमिका - एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य, थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको, उप निरी0 अनुराग अवस्थी, स.उ.नि. विनोद द्विवेदी, स.उ.नि. किरण मिश्रा प्रआर 68 सुखेन्द्र सिंह , आर. 208 कृपाल सिंह, आर. 501 स्वादेश चौहान म.आर. 379 ज्योति मालवीय ।

अजाक्स संघ निर्वाचन प्रक्रिया कार्य सम्पन्न निर्वाचित पदाधिकारीयो को मिला प्रमाण पत्र

सुनील यादव । सिटी चीफ।
कटनी, मध्यप्रदेश अजाक्स संघ कटनी इकाई का जिला स्तरीय निर्वाचन कार्य विगत 25 जनवरी से सुरु हुआ रहा जो समूचे जिले के अजाक्स शासकीय कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा चुनाव में हिस्सेदारी लेने वाले प्रत्याशियों के नामांकन व नाम वापसी के बाद अंत मे परिणाम आने के बाद आज कटनी जिले के अजाक्स संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष सोहनलाल चौधरी ने रेस्ट हाउस में मीडिया के समक्ष जानकारी प्रदान किया, जिसमे बताया कि आज निर्वाचित निर्बिरोध हुए नव अध्यक्ष अरविंद धुर्वे को सम्मानित कर उंन्हे प्रमाण पत्र सौपा गया है। जिले के अन्य शासकीय कर्मचारियों के संगठनों व संघो के पदाधिकरी शामिल हुए और नव अध्यक्ष को बधाई दिए, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर सतना जिले के अजाक्स अध्यक्ष रामक्लेश साकेत शामिल रहे है ।
कार्यक्रम में उपस्थित सभिजनो ने ढोल बाजे के साथ नाचकर नई निर्वाचित टीम का स्वागत किया गया तो वही अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से निर्वाचित नव अध्यक्ष अरविंद धुर्वे ने कहा नई टीम के साथ कार्य करने व कर्मचारियों के हितों के लिए लड़ाई लड़ने सहयोग बना रहेगा, और कर्मचारियों के प्रति होने वाले शोषण के खिलाफ अजाक्स लड़ाई लड़ती रहेगी।

कटनी पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनप्रतिनिधियों ने किया भव्य स्वागत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रविवार की शाम को कटनी जिले के झिंझरी स्थित हेलीपैड पर हेलीकाप्टर से आगमन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह,विधायक सर्व श्री संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल मुड़वारा, प्रणय प्रभात पांडेय बहोरीबंद और धीरेन्द्र बहादुर सिंह बडवारा एवं महापौर श्रीमती प्रीति सूरी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा व नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यहां हेलीपैड पर संभागायुक्त जबलपुर श्री अभय वर्मा, आई जी श्री अनिल सिंह कुशवाह, डी ई जी श्री अतुल सिंह, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव और पुलिस अधीक्षक श्री अभिजीत कुमार रंजन ने गुलदस्ता भेंट कर अगवानी की। इसके अलावा जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम सहित जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ.यादव का स्वागत किया।

अनूपपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवैध गिट्टी परिवहन में दो आरोपी गिरफ्तार, वाहन जब्त

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्गदर्शन में अवैध रूप से बिना रायल्टी का गिट्टी परिवहन करने के विरूद्ध निरी. पी. सी कोल थाना प्रभारी थाना करनपठार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे के द्वारा वाहन चैकिंग के दौरान हमराह स्टाफ प्र.आर. 140 राजेश पाव, 74 राम प्रसाद, प्रआर. 155 कृष्ण कुमार , आर. 362 विनोद, आरक्षक क्र. 346 साहब सौर, चौकी सरई, आर. 287 विनोद कुमार थाना करनपठार के दिनांक 01/03/2025 को वाहन चौकिंग कर रहा था कि हाईवा क्रमांक MP 17 HH 4573 आरोपी - सुनील राली पिता श्रीनिवास राली उम्र 33 वर्ष निवासी हरदिया थाना सेमरिया जिला रीवा म. प्र. हाल- हाईवा क्रमांक MP 17 HH4573 एवं हाईवा क्रमांक MP 17 HH 3348 का आरोपी चालक आरोपी - राम धनी सिंह पिता रमेश सिंह उम्र 39 वर्ष ग्राम सेमरिया थाना सेमरिया जिला रीवा म. प्र. हाल हाईवा क्रमांक MP 17 HH 3348 के चालको से द्वारा पूछतांछ करने पर तरंग तरफ से अवैध रूप से गिट्टी लोड कर परिवहन करते खैरहा शहडोल तरफ लेकर जाना बताये हाईवा चालको से मौके पर ही गवाह राजेन्द्र सिंह पिता मोहन सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी सरई तथा धन सिंह पिता होल सिंह उम्र 34 वर्ष निवासी सरई के समक्ष हाईवा वाहन में गिट्टी लोड कर परिवहन कर ले जाने के संबंध में धारा 94 बी. एन. एस. एस. का नोटिस दिया जाकर लोड गिट्टी के संबंध में टी. पी. के संबंध पूछतांछ किया टी. पी. चाहा गया जो मौके पर पेश नही किया गया गिट्टी परिवहन करने के सबंध में टीपी होना नही पाया गया तथा वाहनो को मय लोड गिट्टी अनावेदक आरोपीगणो को कब्जे से धारा 4/21 खनिज अधि. के अंतर्गत जप्त किया जाकर इस्त. क्र. 02, 03/2025 धारा 4/21 खनिज अधि. कायम कर खनिज विभाग की ओर पेश किया जा रहा है । उपरोक्त कार्यवाही में निरी. पी. सी कोल थाना प्रभारी थाना करनपठार चौकी प्रभारी उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे हमराह स्टाफ प्र.आर. 140 राजेश पाव, 74 राम प्रसाद मरावी, प्रआर. 155 कृष्ण कुमार पटेल , आर. 362 विनोद अयाम, आरक्षक क्र. 346 साहब सौर, चौकी सरई, आर. 287 विनोद कुमार थाना करनपठार का सराहनीय योगदान रहा।

भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष ने मंत्री प्रहलाद पटेल के भीख वाले बयान की निंदा की

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, मप्र शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता के मांग पत्रों को भीख बताए जाने पर भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।जिला अध्यक्ष ने कहा, मंत्री महोदय का यह बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और जनभावनाओं के विरुद्ध है। जनता ने आपको चुन कर भेजा है आप जनप्रतिनिधि है और जनता आपसे अपने अधिकारों की मांग कर रही है, कोई भीख नहीं। सरकार का कर्तव्य है कि वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से ले और जनता की समस्याओं का समाधान करे, न कि उनके मांग पत्रों को उपेक्षा से खारिज करे।उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय नेताओं द्वारा विनम्रता दिखाना और वोट मांगने के लिए जनता के चरणों में झुकना आम बात हो गई है, लेकिन जब जनता अपने हक की बात करती है, तो उसे भीख मांगने की आदत बता दिया जाता है। यह राजनीति में दोहरे मापदंड का उदाहरण है।भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी ने मीडिया के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से इस बयान पर संज्ञान लेने और मंत्री प्रहलाद पटेल से माफी मांगने की मांग कही है। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री अपने बयान पर कायम रहते हैं, तो जनता आने वाले चुनावों में उन्हें उचित जवाब देगी।

खोलो कबाड़ की दुकान.... करोड़ों कमाओ

आसानी से आधे रेट में बिक जाता है चोरी का माल

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, क्षेत्र में कई अरसे से यह बात आम हो गई है कि खेत की घर की मोटर चोरी हो गई,किसी की गाड़ी चोरी हो गई और जिसका अता-पता आज तक मालिक को नहीं चल पाया और ना ही पुलिस पता चला पाई आपको बता दें कबाड़ के व्यवसाय को करने के लिए किसी प्रकार के लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है,जिसके चलते कोई भी व्यक्ति कबाढ़ की दुकान खोलता है और आमतौर पर चोरी का माल खरीद कर करोड़पति बन रहा है। इस मामले में सूत्र यहां बताते हैं कि कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अच्छी खासी मोटी रकम पुलिस को भी दी जाती है जिसकी वजह से पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी इन कबाड़ खानों के संचालकों पर कार्रवाई करने से परहेज कर रहे हैं।

इनका कहना है -हम निरिक्षण करते हैं और जो जानकारी प्राप्त होगी उसके आधार पर कार्रवाई करेंगे।
सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी लालबर्रा।

बालाघाट के नगपुरा में शंकर भगवान का 200 साल पुराना मंदिर शिवरात्रि में भी रहा बंद

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, तहसील मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नगपुरा में 200 साल पुराना भगवान शिवजी का मंदिर जो हमेशा ही बंद रहता है वह महाशिवरात्रि पर्व के दिन भी बंद रह गया, जिससे ग्रामीण जनों में काफी आक्रोश देखने में आया उन्होंने इसकी शिकायत मीडिया कर्मियों से भी की लेकिन समय के अभाव में मीडिया कर्मी मौका स्थल पर नहीं पहुंच सके और मंदिर बंद ही रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव का ही एक रसूखदार व्यक्ति अपना कब्जा बताते हुए मंदिर के अंदर गोबर के कंडे, तुवल के खराटे, बोरी में गेहूं का गवहांडा कुटार और लकड़ी भर कर रख रहा है और ग्रामीण जनों को मंदिर में प्रवेश करने से रोकता है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

इनका कहना है-

शिवजी का मंदिर पुरातत्व विभाग का है, इसमें किसी व्यक्ति द्वारा अपना आधिपत्य जमाया जाना गलत है ग्रामीण जनों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हुए उक्त व्यक्ति द्वारा मंदिर के कपाट नहीं खोले गए जो बहुत ही ज्यादा निंदा का विषय है।

हरिशंकर बनवारी (मुन्ना भैय्या) जनपद सदस्य जनपद पंचायत लालबर्रा

गांव की पुरानी धरोहर है और सभी ग्रामीणों की उस मंदिर से आस्था जुड़ी हुई है उसके बाद भी मंदिर का नहीं खुलना भक्त जनों को पीड़ा पहुंचाने वाला विषय है, इस संबंध में सबकी राय लेकर मंदिर खुलवाने का सामूहिक प्रयास किया जाएगा।

सतानंद दमाहे पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा

मंदिर की भूमि शासन की है किसी का निजी स्वामित्व नहीं है। लोगों की आस्था को देखते हुए शिवरात्रि पर्व के दिन हमारे द्वारा मंदिर खुलवाया गया था और कोई भी ग्रामीण जन उस मंदिर से जिनकी आस्था है कभी भी आकर पूजा पाठ कर सकते हैं। इसमें किसी प्रकार की कोई रोक-टोक नहीं है। रात्रि के समय आवारा पशु मंदिर के अंदर प्रवेश कर किसी प्रकार की गंदगी ना फैलाएं इसलिए बंद कर दिया जाता है।

अभिषेक अवधिया - सचिव ग्राम पंचायत नगपुरा

कटनी में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उद्योगपतियों संग की बैठक

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, जिले पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभा कक्ष में जिले के व्यापारियों को संबोधित किया वही पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि जिले में उद्योग निवेश की काफी संभावनाएं है और जल्द ही यहां इन्वेंटर मिट कराए जाने की रूप रेखा तैयार कराने की बात भी की। वही जब पत्रकारों ने सीएम डॉक्टर मोहन यादव से पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के विवादित बयान पर सवाल पूछा गया तो वह इस सवाल से बचते नज़र आए। कटनी पहुंचे मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव झिंझरी स्थित हैली पैड से सीधे पूर्वमंत्री ओर विजयराघवगढ़ के भाजपा विधायक संजय पाठक के पौत्र यश और पौत्र वधु अनुकृति के विवाद के बाद आशीर्वाद देने उनके निवास पहुंचे जिसके बाद मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव सीधे जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे जिले के उद्योगपतियों की बैठक में शामिल हुए जहां उन्होंने बैठक में मौजूद सभी उद्योगों के बारे में चर्चा करते हुए दिशा अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि जिले में उद्योग निवेश की काफी संभावनाएं है और जल्द ही यहां इन्वेंटर मिट कराए जाने की रूप रेखा तैयार कराने की बात कही साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यहां बड़ी फैक्ट्रियां भी स्थापित हो सकेगी। वही जब पत्रकारों ने सीएम डॉक्टर मोहन यादव से पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के विवादित बयान पर सवाल पूछा गया तो वह इस सवाल से बचते नज़र आए।

उड़ान शुरू होने के इंतजार में सहारनपुर का सरसावा एयरपोर्ट

भाजपा के नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा...

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, सहारनपुर के सरसावा में 20 अक्टूबर 2024 को सिविल एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से वर्चुअल किया था। लेकिन वहां से अभी तक उड़ाने शुरू नहीं हुई हैं। इस संबंध में भाजपा के नगर विधायक राजीव गुंबर ने बताया कि उन्होंने सरसावा से हवाई यात्राओं के शुरू किए जाने के संबंध में उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन विभाग के अपर मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल से भेंट की और उनसे हवाई यात्राएं शीघ्र शुरू कराए जाने की मांग की। विधायक राजीव गुंबर के मुताबिक उत्तर प्रदेश का उड्डयन विभाग विभिन्न एयरलाईंस कंपनियों से बातचीत कर रहा है। गुंबर ने बताया कि उन्होंने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र लिखकर कहा था कि सरसावा हवाई अड्डे का उद्घाटन हुए चार माह बीत गए हैं लेकिन वहां से हवाई यात्रा की शुरूआत नहीं हुई है। सहारनपुर के लोगों की मांग है कि सरसावा से लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी और नई दिल्ली को विमान सेवाएं शुरू की जाएं। विधायक राजीव गुंबर ने बताया कि भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण सहारनपुर से लखनऊ, मुंबई, जम्मू और सूरत तक उड़ान सेवाएं शुरू करने पर विचार कर रहा है जिसके लिए कई घरेलू उड़ानधारकों से संपर्क किया जा रहा है।

समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर समयबद्धता से करें निस्तारण - जिलाधिकारी मनीष बंसल

तहसील स्तरीय अधिकारी करे शांति समिति की बैठकें

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में तहसील बेहट में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम मनीष बंसल ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निदान करना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों व समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।
सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 27, विद्युत विभाग की 11, पुलिस विभाग की 20, विकास विभाग की 04, आपूर्ति विभाग की 04, नलकूप विभाग की 01 एवं जल निगम की 05 कुल 72 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दृष्टिगत सभी तहसील स्तरीय अधिकारी शांति समिति की बैठकें कर लें।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण कि पुलिस अधिकारी आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करें।
इस अवसर पर डीएफओ शुभम सिंह, डीएफओ श्वेता सैन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, उपजिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

होलिका दहन, जुलूस आयोजकों व धर्मगुरूओं एवं पीस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ डीएम एवं एसएसपी ने की बैठक

नियमों व परम्पराओं के साथ सौहार्दपूर्ण ढ़ंग से त्यौहार मनाये - जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आगामी होली पर्व को शान्ति एवं सौहार्द पूर्ण ढंग से मनाये जाने के लिये होलिका सुरक्षा समिति, जुलूस आयोजकों, धर्मगुरुओं एवं पीस कमेटी के पदाधिकारियों, संभ्रान्त नागरिकों एवं जिला प्रशासन तथा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की एवं गणमान्य व्यक्तियों से सुझाव मांगे। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों से कहा कि त्यौहारों में सम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखते हुये शान्तिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाया जाए ताकि जनपद में गंगा-जमुनी तहजीब बरकरार रहे। उन्होंने उपस्थित उप जिला मजिस्ट्रेट्स, पुलिस उपाधीक्षकों को निर्देशित करते हुये कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर होलिका स्थापना के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें ताकि यदि कहीं विवाद की स्थिति हो तो उसे आपस में लोगों के साथ आपसी समन्वय एवं समझा-बुझाकर समस्या का निस्तारण कर दिया जाये। उन्होंने कहा कि होली के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था की स्थिति पर निगरानी रखने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में मजिस्ट्रेट्स और पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि डीजे पर किसी भी स्थिति में अश्लील और भड़काऊ गाने न बजें। उन्होंने निर्देश दिए कि थाना स्तर पर भी बैठकें आयोजित की जाए। थाना स्तर पर आयोजित बैठक में लाइनमैन ओर जेई को भी बुलाया जाए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि सभी एसडीएम एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी विभागीय अधिकारियों के साथ अन्तर्विभागीय बैठक कर त्योहारों पर बिजली, पानी, सफाई की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। सभी धर्मों के अनुयायी परंपरागत ढंग से त्यौहार मनाए, किसी को नई परंपरा डालने की अनुमति नहीं है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि एक दूसरे की आस्था का सम्मान रखते हुए खुशियों से त्यौहार मनाएं। उन्होंने केमिकल युक्त रंग का प्रयोग न करने की बात कहीं। त्यौहार के दिन शराब की दुकानें बन्द रहेगी और जहरीली एवं अवैध शराब के विक्रय, भण्डारण व दुकानों पर छापेमारी की जाए। बैठक में गणमान्य व्यक्तियों के सुझावों का संज्ञान लेकर निस्तारण का आश्वासन दिया गया। फूड सेफ्टी आफिसर को निर्देशित किया गया कि त्यौहारों के दृष्टिगत खोवा, मिठाई, नमकीन, तेल, मसालों व अन्य खाद्य पदार्थो में मिलावट रोकने के लिये टीमें बनाकर दुकानों पर निरीक्षण किया जाए। शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया जाए। उन्होने कहा कि छोटी से छोटी घटनाओ को भी प्रभावी रूप से समाधानित किया जाय जिससे कोई बड़ा विवाद न होने पाये। उन्होने अपर नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगे आने वाले त्यौहारों के दृष्टिगत सडकों की साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि होलिका दहन के आस-पास एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के दृष्टिगत जीर्ण-शीर्ण लटकने वाले तारों एवं ट्रांसफार्मर खराब होने पर तुरंत बदलने के निर्देश दिये। उक्त संबंध में संबंधित उपजिलाधिकारी को निरीक्षण करने के निर्देश दिये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रोहित सिंह सजवाण ने कहा कि शरारती तत्वों अथवा अनाधिकृत रूप से त्यौहार में खलल डालने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि नियमों का अनुपालन करते हुए परम्पराओं के साथ सकुशलता पूर्वक त्यौहार मनाते हुए जनपदवासी गंगा-जमुनी तहजीब व संस्कृति का परिचय दें। उन्होंने होली जुलूस निर्धारित मानक के अनुसार ही निकालने व होलिका दहन पूर्व निर्धारित स्थान पर ही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्यौहार के अवसर पर जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने और सौहार्द पूर्ण वातावरण में त्यौहार सम्पन्न कराये जाने के लिये जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पूरी तैयारियां की गयी हैं, फिर भी क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों से अपील है कि वे भी शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से त्यौहार सम्पन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करते हुये युवा पीढ़ी के बच्चों को भी सौहार्द पूर्ण ढंग से त्यौहार मनाने के लिये प्रेरित करें। सोशल मीडिया, ट्वीटर, व्हाट्सप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम पर भ्रामक खबरें प्रेषित न की जाएं। उन्होने संबंधित धर्मगुरूओं सहित समाज के संभ्रांत व्यक्तियों से अपील करते हुए कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाडने वालों एवं सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों की जानकारी की सूचना तत्काल दें ताकि उनपर कडी कार्यवाही की जा सके एवं अप्रिय घटना होने से रोका जा सके। शांति समिति की बैठक में होलिका दहन के स्थान, परंपरागत जुलूस रूट और संवेदनशील स्थानों आदि के सबंध में सीओ एवं थानाध्यक्षो से वार्ता की गई। सभी थानाध्यक्षों ने बताया कि होली स्थापना को लेकर उनके क्षेत्र में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। नगर निगम एवं निकाय क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई रखने के साथ ही निर्बाध रूप से विद्युत व जल आपूर्ति सुनिश्चित करें। सभी संभ्रांत व्यक्तियों ने विश्वास दिलाया कि यह शहर अमन और शांति का शहर है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था संबंधी शिकायत पुलिस एवं प्रशासन को प्राप्त नहीं होगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, एसपी देहात सागर जैन, एस पी यातायात सिद्धार्थ वर्मा सहित सभी एसडीएम, पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, विद्युत, लोनिवि, नगर निकाय, अभिसूचना एवं नागरिक सुरक्षा के चीफ वार्डन राजेश जैन, जयनाथ शर्मा, शीतल टंडन, ब्रित चावला, उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कश्मीरा सिंह समेत सर्वधर्म के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण मित्रों ने विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका में निंदाई गुड़ाई कर पिलाया पौधों को पानी

पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता जीवन के लिए अति आवश्यक है - डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे

नीमच/ आओ मिलकर पेड़ लगाए धरती को फिर स्वर्ग बनाए के उद्देश्य से संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच विगत कई वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर से गांव तक चहुंओर पौधा रोपण कार्य में जुटी हुई है, संस्था सदस्यों की कड़ी मेहनत एवं नियमित पोधो की देखभाल से अब तक 60 हजार से अधिक पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने में कामयाब रहे हैं, अभियान के तहत रविवार दिनांक 2 मार्च 2025 को हवाई अड्डा झांझरवाडा मार्ग स्थित विश्व संकल्प पर्यावरण वाटिका गोशाला परिसर में पुर्व रोपित 1351 पोधो की निंदाई गुड़ाई कर पोधो को ड्रिप सिस्टम से सिंचित किया गया , इस अवसर पर पर्यावरण मित्र डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे ने बताया बताया कि प्रकृति ने हमें जीवन जीने के लिए इस धरा पर सब कुछ दिया है किन्तु विकास की अंधाधुंध में चहुंओर पर्यावरण एवं जैव विविधता नष्ट हो रही है वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जल जंगल और जमीन भी इस धरा पर सुरक्षित नहीं रहें हैं जो इस धरती मां के गहने है, इस अवसर पर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के संरक्षक नवीन अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा प्रकृति को संवारने के साथ ही पर्यावरण एवं जैव विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस परिसर में 60 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के फलदार छायादार एवं ओषधि युक्त पोंधे रोपित किए गए हैं, इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में चहुंओर हरे भरे लहलहाते भारी भरकर पेड़ों को स्वार्थ कि खातिर निर्दयतापूर्वक काटा जाना प्रकृति के साथ खिलवाड़ है , जल जंगल और जमीन सुरक्षित नहीं होने से जैव विविधता नष्ट हो रही है इस धरा से विभिन्न प्रजातियों के कई पेड़ पौधे,पक्षु पक्षी,जीव जंतु विलुप्त हो रहे हैं यदि इनकी सुरक्षा नहीं की गई तो आने वाला प्राणी जगत के लिए ठीक नहीं होगा, पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता को बढ़ावा देना हम सभी का दायित्व है, इस अवसर पर पर्यावरण मित्रों ने पोंधे भी रोपित किए गए अभियान के तहत शहरी विकास परियोजना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे, संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल,अध्यक्ष किशोर बागड़ी, राजकुमार सिन्हा,रमेश मोरे, सुकुमार आगार, जगदीश शर्मा, आदि ने 3 घंटे श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा ने दी है , राजकुमार सिन्हा उपाध्यक्ष संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच

मुख्य विकास अधिकारी ने पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय द्वारा आयोजित कृषि प्रसार कार्यक्रम का किया उद्घाटन

स्वयं सहायता समूह को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को दी गई जानकारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, पंजाब नेशनल बैंक, मण्डल कार्यालय, सहारनपुर द्वारा जनपद में स्वयं सहायता समूह केंद्रित कृषि प्रसार कार्यक्रम 2025 का आयोजन रॉयल ग्रीन्स रीज़ॉर्ट, दिल्ली रोड, सहारनपुर में किया गया।
जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पीएनबी के सहायक महाप्रबंधक नीलेश डोशी ने सूचित किया कि इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज, एआईएफ़ (AIF) व पीएमएफ़एमई (PMFME) केंद्रित ऋण योजनाएं थीं। इस कार्यक्रम में 258 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 5 करोड़ 70 लाख का ऋण चेक वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सम्मानित किया गया एवं उक्त विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के प्रधान कार्यालय से विशेष अतिथि उप महाप्रबंधक मृत्युंजय कुमार, उपायुक्त स्वत: रोजगार इंदरपाल सिंह व उनके विभाग के सभी कर्मचारी, जिला उद्यान अधिकारी रामपाल सिंह, डीडीएम नाबार्ड शाद बीन अफ़रोज़, एलडीएम सहारनपुर प्रवीण जमुआर के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम दासताखेड़ी में किसान के खेत में नर्मदा का पानी छोड़ किया कंपनी ने परीक्षण

मेगा इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी द्वारा किया जा रहा है उक्त निर्माण कार्य

शाजापुर भारत सरकार के द्वारा बहु चर्चित नर्मदा परियोजना लगातार अब अंतिम चरण की ओर चल रही है जहां उक्त परियोजना के अंतर्गत हजारों हेक्टर किसान की जमीन सिंचित होगी जहां उक्त प्रोजेक्ट का कार्य मेघा इंजीनियरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी द्वारा शाजापुर जिले में किया जा रहा है जहां उक्त परियोजना के अंतर्गत पूर्व में मक्सी में कंपनी द्वारा परीक्षण किया था वहीं अब गुलाना तहसील के ग्राम दासताखेड़ी में कंपनी के अधिकारियों के द्वारा औपचारिकता के तौर पर परीक्षण किया गया जहां उक्त प्रशिक्षण कंपनी के कालीसिंध फेस 2 की इंजीनियर रोहित जाट के द्वारा अपने क्षेत्र में कंपनी के उच्च अधिकारियों से करवाया गया जहां उक्त में लाइन से नर्मदा का पानी किसान के खेत में छोड़ गया जहां उक्त प्रशिक्षण में मेगा इंजीनियरिंग कंपनी के सीजीएम एजीएम संजय यादव शासकीय अधिकारी के साथ कंपनी का सुपरवाइजर देवेंद्र मेवाड़ा विजेंद्र मेवाड़ा राहुल अर्जुन अशोक परशुराम आदि के द्वारा वॉटर टेस्टिंग परीक्षण सहयोग के साथ सफल हुआ

क्या झाबुआ, अलीराजपुर जिले के जनप्रतिनिधि अवैध शराब विक्रय परिवहन के खिलाफ सैलाना विधायक की तरह कदम बढ़ाएंगे ....?

गुजरात राज्य की सीमा से लगे झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले की ग्रामीण क्षेत्रों की सीमाओं से लाखो करोड़ों की शराब परिवहन ओर पकड़ने के समाचार मीडिया में प्रकाशित हो आए दिन होते रहते है वही विगत 30 जनवरी 25 से 24 फरवरी 25 तक पुलिस ओर आबकारी विभाग के द्वारा अलीराजपुर ओर झाबुआ जिले में लाखो की अवैध शराब के साथ ही लाखो की कीमत के वाहन भी जब्त किए है। आबकारी विभाग के अधिकारी से चर्चा की जाती तो वह विभाग के पास पर्याप्त स्टाफ नहीं होने का कहकर पल्ला झाड़ते है और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां से अवैध शराब की निकासी शराब माफियाओं और सिंडिकेट गिरोह के गुर्गों द्वारा की जा रही उसको पकड़ नहीं पाते है ऐसा बताते है लेकिन मुखबिर सूचना पर अवैध शराब पकड़कर कार्यवाही अवश्य करते है। सूत्रों की माने तो शराब माफियाओ के द्वारा अवैध शराब परिवहन और संग्रहित करने में गरीब आदिवासी लोगों ओर अन्य जो ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरात राज्य की सीमा के आसपास रहते है उनको आर्थिक लाभ देकर अपना कार्य करवा रहे है जो अवैध शराब के दर्ज प्रकरणों से जानकारी मिलती है। शराब माफियाओ के गुर्गे अवैध शराब परिवहन के लिए इंदौर,धार जिले से झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले की सीमाओं में प्रवेश करते है और यहा से गुजरात राज्य में अवैध शराब की निकासी करते है साथ ही झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती कीमत पर शराब बियर की पेटियां भी उपलब्ध करवाते है। झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले के प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्रों में कही न कहीं अवैध शराब का ठिकाना मिल ही जाएगा। सूत्रों की माने तो कुछ जगह के शराब ठेकेदार के गुर्गे ओर कुछ बाहरी लोग अवैध शराब परिवहन कर लाने वाले तस्कर ग्रामीण क्षेत्र में शराब सप्लाय करते है जबकि शासन के नियमानुसार शराब लायसेंसी दुकान से ही विक्रय की जा सकती है लेकिन यह गोरख धंधा सरेआम चल रहा है। झाबुआ ओर खासकर अलीराजपुर जिले में आदिवासी समाज 3ष्ठ के नाम से सामाजिक बदलाव लाने के लिए एक

सामाजिक संगठन ओर नेताओं की अगुवाई में गांव गांव में बैठक बुलाकर आदिवासी समाज के लोगो को कुरीतियों की जानकारी के साथ शराब से मुक्ति हेतु भी समझाइश दे रहे वही पुलिस अधीक्षक ओर कलेक्टर भी अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों के शराब,अपराध और अन्य सामाजिक बुराइयों को त्यागने की आदिवासी समाज को गांव गांव में मीटिंग खाटला बैठक कर समझाइश देकर इसके दुष्परिणामों से अवगत करा रहे है इससे आदिवासी समाज में जागरूकता आ रही है वही समाज के वरिष्ठ लोग,संगठन ओर राजनीतिक दलों के नेताओं के द्वारा दी गई सामाजिक बुराइयों को त्यागने की समझाइश का असर दिखाई देने लगा है। अब मिशन 3ष्ठ की गूंज झाबुआ जिले में भी सुनाई पड़ी है जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भूरिया अपने ओजस्वी भाषण से आदिवासी समाज के लोगो को कुरीतियों को त्यागने की बात कहते नजर आए। रतलाम जिले की सैलाना विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित बाप पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने विगत दिनों रतलाम जिले में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की शिकायत पर एक अवैध शराब परिवहन कर रहे वाहन को पकड़ा और पुलिस को बुलाकर कार्यवाही करवाई और दूसरी बार उन पर हमला किया गया झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले से दिन ओर रात्रि में अवैध शराब का परिवहन ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरात राज्य में किया जा रहा है इस अवैध शराब परिवहन के खिलाफ झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले में आदिवासी समाज के एक संगठन ने आवाज उठाई और वह अब सुनाई नहीं दे रही है ..... झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले में अब आदिवासी समाज शराब के खिलाफ लामबंद बंद होता दिखाई दे रहा है वही जोबट विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल और आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल भी मुखरता से विरोध करते नजर आ रहे है वही प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान और झाबुआ अलीराजपुर रतलाम की सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान भी आदिवासी समाज की बैठकों में कुरीतियों को त्यागने और शराब त्यागने की बात कहते नजर आ रहे है । झाबुआ ओर अलीराजपुर जिले में मिशन 3ष्ठ आदिवासी समाज के द्वारा चलाया जा रहा जिसको सरकारी अधिकारियों का भी समर्थन मिला हुआ है इस मिशन 3ष्ठ में शराब का भी एक मुद्दा शामिल है लेकिन आदिवासी अंचल से शराब का सेवन इतना असर कारक नहीं हो सकता जब तक इन दोनों जिलों में या तो शराब बंदी लागू हो या फिर इन दोनों जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री बंद हो वह इतनी आसानी से होने वाली नहीं उसके लिए सैलाना विधायक की तरह जिले के पंच सरपंच से लेकर सांसद स्तर के जनप्रतिनिधियों को आगे आना होगा और अवैध शराब परिवहन जो ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा ओर इन ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरात राज्य में तस्करी की जा रही को रोकने के लिए कड़े कदम उठाना होगा और अवैध शराब परिवहन के खिलाफ मुहिम चलाकर सरकार को सहयोग करना पड़ेगा तभी ग्रामीण क्षेत्रों को शराब से मुक्ति मिलेगी और मिशन 3D सफल होगा।

गुजराती मोढ़ वणिक समाज में अध्यक्ष पद का चुनाव – अमेरिका से भी पहुंचे मतदाता 18 साल की युवती ने पहली बार डाला वोट

बुरहानपुर – सकल पंच गुजराती वणिक मोढ़ समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष पद के लिए मतदान चल रहा है मतदान शनवारा स्थित गुजराती समाजवाडी में सुबह 9ः00 बजे से शुरू हुआ है समाज के कुल 25 हजार से अधिक मतदाताओं में से करीब 10 हजार मतदाता बुरहानपुर में निवास करते हैं इस चुनाव में मतदान के लिए देशभर से लोग पहुंच रहे हैं अमेरिका के वर्जीनिया से प्रीति गुप्ता वोट डालने आई है मुंबई से किशोर दलाल अपनी पत्नी के साथ विशेष रूप से मतदान के लिए आए हैं 18 वर्षीय शनिष्का शाह ने पहली बार मतदान किया है अध्यक्ष पद के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में है इनमें कमलेश सुरेश चंद्र शाह, प्रेमचंद बलिराम नागराज, रमेश मोतीलाल दलाल, रूपश्री कमलेश गोविंदजीवाला और विनोद गोपाल दास सुगंधी शामिल है मतदाताओं को नोटा का विकल्प भी दिया गया है चुनाव संयोजक और अधिवक्ता हेमंत गोविंदजी वाला के अनुसार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जा रहा है महिलाओं के लिए पिंक मतदान केंद्र बनाए गए हैं पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग 6-6 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है मतदान शाम 5ः00 बजे तक चलेगा इसके बाद मतगणना होगी और निर्वाचित अध्यक्ष को शपथ दिलाई जाएगी यह चुनाव हर चार साल में एक बार होता है

कांटाफोड मे मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा किया विशाल भंडारे का आयोजन

भजन गायको ने दी भजनो की प्रस्तुतियां

कांटाफोड – नगर के मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नर्मदा परिक्रमावासीयो की सेवा की। मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा विगत वर्षो से नर्मदा परिक्रमावासीयो का बस स्टेंड पर स्वल्पाहार कराकर स्वागत किया जाता है। भक्त मंडल के सदस्यों ने बताया की मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा नर्मदा परिक्रमावासीयो की सेवा टीम द्वारा सभी के सहयोग से की जाती है। उन्होने बताया की नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ होने से नर्मदा जयंती तक मंहाकाल भक्त मंडल का सेवा कार्य प्रतिदिन जारी रहता है। शनिवार को मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा नगरवासियो के सहयोग से नगर परिषद प्रांगण

मे विशाल भंडारे का आयोजन किया। मां नर्मदा जी की आरती कर भंडारा प्रारंभ किया गया। स्थानीय भजन गायको द्धारा भजनो की प्रस्तुतियां दी गई।भंडारे मे सैकडो लोगो ने प्रसादी ग्रहण की। उल्लेखनीय है की मंहाकाल भक्त मंडल द्वारा यह प्रयास किया जाता है की कांटाफोड़ से निकलने वाला प्रत्येक नर्मदा परिक्रमावासी उनके स्वागत स्थल पर पहुंचे और भक्त मंडल उनकी सेवा करे इसके लिए भक्त मंडल के सदस्य प्रतिदिन नर्मदा परिक्रमावासीयो की जानकारी भी सांझा करते है।

ऑपरेशन मुस्कान- अलीराजपुर पुलिस ने 10 गुमशुदा बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया

अलीराजपुर

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्तक्क) महोदय के निर्देशन में अलीराजपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्चों की तलाश और उन्हें उनके परिजनों से मिलाने का अभियान सतत रूप से जारी है। इस अभियान के अंतर्गत फरवरी माह में अब तक 01 बालक एवं 09 बालिकाएं इस प्रकार कुल 10 गुमशुदा बच्चों को खोजकर उनके माता-पिता को सौंपा जा चुका है, जिससे कई परिवारों को राहत और खुशी मिली है। अलीराजपुर पुलिस की पूरी कोशिश है कि गुमशुदा बच्चों को जल्द से जल्द खोजा जाए। इस दिशा में पुलिस बल द्वारा हरसंभव संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत विशेष प्रयास- अलीराजपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान को प्रभावी बनाने के लिए साइबर पुलिस की विशेष सहायता ली जा रही है। गुमशुदा बच्चों की लोकेशन ट्रेस करने के लिए तकनीकी उपकरणों और डिजिटल ट्रैकिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है, जो विभिन्न इलाकों में जाकर लापता बच्चों की पहचान करने, संभावित ठिकानों की निगरानी रखने और जल्द से जल्द उनकी बरामदगी सुनिश्चित करने का कार्य कर रही हैं।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत अलीराजपुर पुलिस की कार्यप्रणाली

1. विशेष जांच दल का गठन - अलीराजपुर पुलिस ने

इस अभियान के लिए समर्पित पुलिस दलों का गठन किया है, जो लापता बच्चों की तलाश और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

2. साइबर पुलिस की मदद से डिजिटल ट्रैकिंग - बच्चों की लोकेशन ट्रेस करने, उनके संचार के माध्यमों को ट्रैक करने और अन्य डिजिटल तरीकों से सुराग जुटाने का कार्य किया जा रहा है।

3. ग्राउंड टीमों की सक्रियता - रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और अन्य संभावित स्थानों पर पुलिस टीमों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

4. जनसहयोग एवं जागरूकता अभियान - आम नागरिकों को जागरूक करने और उनसे सूचना साझा करने के लिए खाटला बैठक इत्यादि के प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है।

अलीराजपुर पुलिस की अपील- अलीराजपुर पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि यदि उन्हें कोई लापता बच्चा संदिग्ध स्थिति में नजर आए या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। आपकी एक सूचना किसी परिवार को उसके बच्चे से मिलाने में मददगार साबित हो सकती है।

सूचना देने के लिए संपर्क करें पुलिस हेल्पलाइन- [7587616819, 7049100422] अलीराजपुर पुलिस यह आश्वासन देती है कि ऑपरेशन मुस्कान पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ जारी रहेगा, ताकि हर गुमशुदा बच्चा जल्द से जल्द अपने परिवार के पास सुरक्षित लौट सके।

खनिज विभाग की लगातार 36 घंटे चली कार्यवाही, अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते डम्पर, ट्रेक्टर और जेसीबी सहित कई वाहन जप्त, मचा हड़कंप

नीमच- जिला कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। खनिज अधिकारी आरिफ खान द्वारा बताया गया कि, बीतें 36 घंटों में खनिज विभाग द्वारा दिनांक- 02 फरवरी की शाम 6 बजे तक चली कार्यवाही में मनासा क्षेत्र के ग्राम अल्हेड़ में मिट्टी का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए एक जेसीबी एवं एक ट्रेक्टर जप्त किया। डिकेन क्षेत्र में रतनगढ रोड़ पर रेत माफिया का एक विशाल ट्राला जप्त किया जाकर डिकेन चौकी की अभिरक्षा में दिया। जावद क्षेत्र में दो गिट्टी के डम्पर एक गिट्टी का ट्रेक्टर तथा एक ट्रेक्टर खण्डे का अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया जाकर जावद थाने की अभिरक्षा में दिया। मनासा एवं जवासा क्षेत्र में गिट्टी, मुरूम एवं खण्डे के तीन डम्पर जप्त किये जाकर मनासा एवं नीमच सिटी थाने में रखे गये है।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल एवं संस्कृत आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 9 मार्च को

मंदसौर- जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूलों एवं संस्कृत आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परीक्षा 9 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (www.mpsos.nic.in) पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र समय पर डाउनलोड करें और निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा में सम्मिलित हों। अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश फार्मर आईडी जनरेट करने में प्रथम स्थान पर

मंदसौर – भारत सरकार की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत मध्यप्रदेश में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई है। इसमें प्रत्येक किसान के लिए एक यूनिक फार्मर आईडी बनाया जा रहा है। प्रदेश में कुल 95 लाख 18 हजार 752 प्रधानमंत्री किसान योजना के हितग्राही हैं। इसमें अब तक 56 लाख 85 हजार 337 कुल 59.73 प्रतिशत किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। अब तक 56 लाख 82 हजार 234 आईडी भी जनरेट हो चुकी है। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एक डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इससे किसानों को आसान ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। अन्य योजनाओं के लिये भूमि, फसल एवं कृषकों की जानकारी का सत्यापन इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकेगा। इसमें भौतिक दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। फार्मर रजिस्ट्री नवाचार में जिला कलेक्टरों द्वारा राजस्व अमले एवं कृषकों के सहयोग से कैम्प का आयोजन कर प्रदेश में 57 लाख से अधिक फार्मर आईडी बनाये जा चुके हैं।

सांसद समाधान शिविर में राजस्व और तहसील से जुड़े मामलों का हुआ समाधान

जन-समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद हुआ

बड़वानी, अंजड़- अंजड़ तहसील प्रांगण में खरगोन-बड़वानी लोकसभा सांसद गजेंद्रसिंह पटेल की उपस्थिति में राजस्व और तहसील से जुड़े मामलों के निराकरण हेतु एक दिवसीय विशेष सांसद समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी पहुंचे और अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने जनसंवाद के दौरान लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक समस्या का त्वरित, निष्पक्ष और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत के तहत भाजपा सरकार हर नागरिक तक न्याय और सुविधाएं पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

जनता को मिला त्वरित न्याय शिविर में भूमि सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, और अन्य राजस्व संबंधित मामलों का निराकरण किया गया। कई मामलों में अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान देते हुए जनता को राहत प्रदान की। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मनोहर आवाश्या, तलवाड़ा डेब मंडल अध्यक्ष अशोक राठौर, नगर परिषद अध्यक्ष मांगीलाल मुकाती, भगतसिंह सोलंकी, सुनील पाटीदार, सुरेश जैन, शेखर जैन, श्री भारत यादव, ऋतुराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से राजपुर एसडीएम जितेंद्र पटेल, सुनील भावसार,अंजड़ तहसीलदार बबली बर्डे, और संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी पूरी तत्परता से सेवा में जुटे रहे। सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने कहा कि सांसद समाधान शिविर का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच एक सीधा संवाद मंच तैयार करना है, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जा सके। उन्होंने जनता से अपील की कि वे किसी भी समस्या के समाधान के लिए निःसंकोच संपर्क करें — भाजपा सरकार हर नागरिक के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस सफल आयोजन के बाद क्षेत्रवासियों ने सांसद गजेंद्रसिंह पटेल का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के शिविर समय समय से आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि प्रशासनिक सेवाएं और भी अधिक सुलभ, पारदर्शी और जनहितकारी बन सकें।

डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगियों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर बनाया दबाव

युद्ध पर अपना रुख बदलो या इस्तीफा दो

वॉशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले शीर्ष रिपब्लिकन नेताओं ने रविवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की को रूस के साथ युद्ध पर अपना स्टैंड बदलने या पद छोड़ने का दबाव डाला. इससे पहले यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने रविवार को लंदन में एक बैठक में जेलेंस्की और यूक्रेन को अपना समर्थन दिया. ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपने समकक्षों से रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन के लिए अपने रक्षा प्रयासों को बढ़ाने का आग्रह किया.

बता दें कि 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ओवल कार्यालय में जेलेंस्की के साथ भिड़ गए थे. यूक्रेनी राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस से जाने के लिए कह दिया गया. जेलेंस्की बिना डिनर किए ही वहां से चले गए थे. जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस ने दुनियाभर के नेताओं को आश्चर्य में डाल दिया. ट्रंप कह रहे थे कि जेलेंस्की को रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन के साथ शांति समझौता करना चाहिए.

ट्रंप ने जेलेंस्की को मूर्ख राष्ट्रपति बता डाला

इस पर जेलेंस्की ने बैठक में तर्क दिया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2019 के युद्धविराम समझौते का सम्मान नहीं किया और उन्हें हत्यारा और आतंकवादी बताया. उनकी इस प्रतिक्रिया पर डोनाल्ड ट्रंप ने आपत्ति जताई और जेलेंस्की पर तीसरे विश्व युद्ध के लिए जुआ खेलने का आरोप लगाया. मीडिया कर्मियों के सामने ही दोनों नेता एक दूसरे से जुबानी जंग में उलझ गए. ट्रंप ने जेलेंस्की को मूर्ख राष्ट्रपति बता डाला, आरोप लगाया कि वह यूक्रेन को संकट से बाहर नहीं निकालना चाहते.

यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रंप चाहते हैं कि जेलेंस्की इस्तीफा दें? इस सवाल के जवाब में अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर माइक वाल्ट्ज ने सीएनएन के 'स्टेट ऑफ द यूनियन' कार्यक्रम में कहा, 'हमें एक ऐसे नेता की जरूरत है जो हमारे साथ डील कर सके, रूसियों से समझौता कर सके और इस युद्ध को समाप्त कर सके. यदि यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की की व्यक्तिगत या राजनीतिक महत्वकांक्षाएं उनके देश में युद्ध समाप्त करने से अलग हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे हाथ में एक वास्तविक मुद्दा है.'

क्या यूक्रेन की मदद जारी रखेगा अमेरिका

दक्षिण कैरोलिना के अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो ट्रंप के एक शीर्ष सहयोगी और यूक्रेन के समर्थक भी हैं, उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए सवाल किया कि क्या व्हाइट हाउस में झड़प के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका अभी भी जेलेंस्की के साथ काम कर सकता है.हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर माइक जॉनसन ने भी सीनेटर लिंडसे ग्राहम के सवाल को दोहराया. उन्होंने जेलेंस्की का जिक्र करते हुए एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में कहा, 'कुछ बदलना होगा. या तो उन्हें (जेलेंस्की) होश में आना होगा और कृतज्ञता के साथ बातचीत की मेज पर वापस आना होगा, या किसी और को देश का नेतृत्व करना होगा.'

माइक जॉनसन ने कहा, 'मैं भी पुतिन को पराजित होते देखना चाहता हूं. वह संयुक्त राज्य अमेरिका के विरोधी हैं. लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में हमें इस युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रीत करना होगा.' अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो ने एबीसी के 'दिस वीक' कार्यक्रम में कहा, 'जब वह (जेलेंस्की) शांति स्थापित करने के लिए तैयार होंगे तो हम फिर से बातचीत करने के लिए तैयार होंगे.' रुबियो ने कहा कि ओवल कार्यालय में हुई घटना के बाद से उन्होंने जेलेंस्की या यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री साइबिहा से बात नहीं की है.

पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने पहली बार मांगी वैश्विक मदद, किया ये आह्वान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पहली बार खुद को संकट से उबारने के लिए वैश्विक मदद मांगी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय विशेष रूप से अमेरिका से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की अपील की है। समाचार पत्र 'डॉन' ने बताया कि 'टाइम' पत्रिका में खान के नाम से प्रकाशित एक लेख में नेता ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ''राजनीतिक वापसी'' के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आर्थिक साझेदारी एवं स्थिरता को प्रोत्साहित करने और संघर्ष एवं उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा।यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह लेख वास्तव में खान ने लिखा है या नहीं और इसे पत्रिका तक कैसे पहुंचाया गया। खान ने पाकिस्तान में ''राजनीतिक उथल-पुथल'' और लोकतंत्र के लिए अपनी लड़ाई का लेख में जिक्र किया। उन्होंने देश में लोकतंत्र के कथित क्षरण पर गहरी चिंता व्यक्त की और वर्तमान समय को देश के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में से एक बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कदमों के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ आरोप लगाए गए ताकि लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए उनके समर्थन को दबाया जा सके।उन्होंने दावा किया कि उनका संघर्ष व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक मुद्दे से जुड़ा है, जिसके न केवल देश के लिए, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए भी दूरगामी परिणाम हैं। खान ने पाकिस्तान के रणनीतिक महत्व को देखते हुए इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को समझना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी प्रयासों से संसाधनों को हटाकर उन्हें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस बीच, पाकिस्तान के ऊपरी सदन सीनेट की विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष इरफान सिद्दीकी ने शनिवार को 'डॉन न्यूज' टीवी के 'दूसरा रुख' कार्यक्रम में कहा कि पीटीआई के बारे में ''भविष्यवाणी करना असंभव है।'' 'पीएमएल-एन' सीनेटर ने कहा कि पार्टी समझौते का संकेत दे रही है और साथ ही कानूनों की अवज्ञा करने का आह्वान कर रही है, पत्र भेज रही है और 'टाइम' पत्रिका में ''विस्फोटक'' लेख प्रकाशित कर रही है।

महंगाई को लेकर भड़की ईरान की संसद, वित्त मंत्री हम्माती के खिलाफ लेकर आयी महाभियोग

नई दिल्ली । ईरान की संसद (संसद) ने रविवार को देश के वित्त मंत्री अब्दुलनसर हम्माती के खिलाफ महंगाई में भारी वृद्धि और रियाल की गिरावट के कारण महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस कदम को ईरानी नागरिकों की बढ़ती आर्थिक चिंताओं और विदेशी मुद्रा के मूल्य में आई भारी गिरावट के संदर्भ में देखा जा रहा है।

रविवार को अवैध बाजार में रियाल की कीमत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 920000 से ऊपर पहुंच गई, जो कि 2024 के मध्य में 600000 के आसपास थी। रियाल की यह गिरावट ईरान की आर्थिक स्थिति के लिए एक और बड़ा संकट बन गई है। ईरान पहले से ही बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

मंत्री का बचाव और संसद का फैसला राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने मंत्री अब्दुलनसर हम्माती का बचाव किया, जबकि हम्माती ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का हवाला दिया। इसके बावजूद संसद ने महाभियोग पर मतदान करने का निर्णय लिया है, जिसमें किसी भी मंत्री को हटाने के लिए 290 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का समर्थन जरूरी होगा।

सांसदों का कड़ा विरोध

कई राजनेताओं ने वित्त मंत्री के खिलाफ अपनी आवाज उठाई और उन्हें ईरान की खराब आर्थिक स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया। सांसद रुहुल्लाह मुइटफकर-आज़ाद ने कहा, लोगों के लिए महंगाई की नई लहर को सहन करना बहुत मुश्किल हो गया है। विदेशी मुद्रा और अन्य सामानों की कीमतों में वृद्धि को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

बर्खास्तगी के बाद क्या

ईरान के संविधान के अनुसार, मंत्री को बर्खास्त करने का निर्णय तुरंत प्रभाव से लागू होगा और तब तक एक देखरेख मंत्री नियुक्त किया जाएगा जब तक सरकार नया मंत्री नहीं चुनती। अप्रैल 2023 में संसद ने उद्योग मंत्री रेज़ा फातेमी आमिन को बर्खास्त कर दिया था, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण कीमतों में भारी वृद्धि हुई थी।

अमेरिका ने ठुकराया तो ब्रिटेन ने यूक्रेन के लिए खोली बाहें, डिफेंस के लिए बड़ी मदद का ऐलान

नई दिल्ली. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को 1.6 बिलियन पाउंड (2 बिलियन डॉलर) की नई डील का ऐलान किया है. इसके तहत यूक्रेन को एक्पोर्ट फाइनेंस का उपयोग करके 5 हजार एयर-डिफेंस मिसाइल्स खरीदने की अनुमति मिलेगी. ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थेल्स यूक्रेन के लिए लाइटवेट और बहुउद्देशीय मिसाइलों का निर्माण करेगा.

Thales एक ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो एयरोस्पेस, रक्षा, सुरक्षा और अंतरिक्ष में स्पेशलाइजेशन रखती है. वे साइबर सेक्योरिटी और डिजिटल आइडेंटिटी के लिए सर्विसेज और प्रोडक्ट भी मुहैया करवाते हैं.

Thales ने कहा कि मिसाइल्स की रेंज 6 किलोमीटर (3.7 मील) से ज्यादा है और इन्हें जमीन, समुद्र और हवा में तमाम प्लेटफार्म्स से दागा जा सकता है.

स्टारमर ने लंदन में एक समिट में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, यह अभी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए यूक्रेन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण होगा.

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई थी तीखी बहस पिछले दिनों हुई ट्रंप और जेलेंस्की के बीच ऑन-कैमरा तीखी नोकझोंक के बाद पूरी दुनिया हैरान है. बात यहां तक पहुंच गई कि जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से चले जाने तक के लिए कहा गया. ट्रंप ने बीच में ही बातचीत बंद कर दी. मीडिया के सामने इसी आम चर्चा के बाद ट्रंप खास बात करने वाले थे. यानी मिनरल डील पर समझौता, लेकिन बीच में ही बात बिगड़ गई, और इसकी शुरुआत भी हुई तो सिक्योरिटी डील के सवाल से.

पाकिस्तान में रमजान से पहले LPG गैस की किल्लत

सेहरी के बिना ही रोजा शुरू करने को मजबूर लोग

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कई शहरों में रमजान के पहले सेहरी के दौरान लोगों को गैस की कमी का सामना करना पड़ा। इससे उन्हें अपना सुबह का भोजन (सेहरी) बनाने में दिक्कत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, गैस कंपनियों की ओर से गैस सप्लाई का दावा किया गया था। मगर, कई लोगों ने इसकी कमी की शिकायत की। कराची और रावलपिंडी सहित विभिन्न शहरों के निवासियों को सेहरी के पहले दिन पूरी तरह से गैस आपूर्ति बंद होने की स्थिति का सामना करना पड़ा। कराची के रिफाह आम सोसाइटी, मलिर, नाजिमाबाद, गुलबहार और रांचोर लाइन क्षेत्रों में लोग गैस की कमी से से प्रभावित हुए। रावलपिंडी के छठा रोड, सैटेलाइट टाउन, ढोक कश्मीरियन, ढोक प्राचा, सर्विस रोड, ढोक काला खान, खुर्रम कॉलोनी और सादिकाबाद के लोगों को गैस की कमी का सामना करना पड़ा।

रमजान के पहले दिन कई घरों में सेहरी बनाने के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ा। वे भोजन के लिए होटलों और सड़क किनारे ढाबों पर जाते देखे गए। कुछ इलाकों में लोगों के पास सेहरी के बिना ही रोजा शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। रमजान के पहले ही दिन पाकिस्तान के कई शहरों में गैस संकट ने पूरे पवित्र महीने को लेकर चिंता खड़ी कर दी है। सुई नॉर्दर्न गैस कंपनी और सुई सदर्न गैस कंपनी (स्स्त्रष्ट) गैस आपूर्ति प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है।

कंपनी अपना वादा पूरा करने में विफल

रमजान का पवित्र महीना 30 दिनों के रोजे का समय होता है। यह 2 मार्च से शुरू हुआ है। इसके बाद ईद-उल-फित्र आता है, जो रमजान के महीने भर के सुबह से शाम तक के रोजे का अंत होता है। इस हफ्ते की शुरुआत में सुई सदर्न गैस कंपने ने रमजान के दौरान गैस लोड-शेडिंग का शेड्यूल जारी किया था। इसके अनुसार, रमजान के दौरान गैस आपूर्ति सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक और रात 10 बजे से सुबह 3 बजे तक बंद रहेगी। स्स्त्रष्ट ने कहा कि वह सेहर और इफ्तार के समय गैस की सप्लाई सुनिश्चित करेगी। मगर, ऐसा होता नहीं दिखा है।

ऑस्कर 2025 में रचा गया इतिहास, कॉनन ओ'ब्रायन ने भारतीयों से हिंदी में कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिलस में 97वें अकादमी पुरस्कार का आगाज हो गया है। इस बार ऑस्कर 2025 को कॉनन ओ'ब्रायन होस्ट कर रहे हैं। कॉनन ओ'ब्रायन ने पहली बार ऑस्कर होस्टिंग की कमान संभाली है और पहली बार में ही इतिहास रच दिया है। वे जानते हैं कि इस वक्त उनका शो कई देशों में लाइव देखा जा रहा है। ऐसे में उन्होंने इंग्लिश के साथ-साथ स्पैनिश, हिंदी, चाइनीज और अन्य भाषाओं में भी लोगों को संबोधित किया। आइए आपको बताते हैं कि कॉनन ओ'ब्रायन ने हिंदी में क्या कहा।

कॉनन ओ'ब्रायन ने क्या कहा?

होस्ट कॉनन ओ'ब्रायन ने अपने स्टाइल में शो की शुरुआत की। फिर अचानक हिंदी में कहा, नमस्कार। इंडिया में इस वक्त सुबह है इसलिए मुझे उम्मीद है कि आप नाश्ता खाते-खाते 97वें अकेडमी अवॉर्ड्स का लुत्फ उठा रहे होंगे। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, कॉनन ओ'ब्रायन ऐसे पहले होस्ट हैं जिन्होंने अकेडमी अवॉर्ड्स के मंच पर हिंदी में बात की है।

कॉनन क्रिस्टोफर ओ'ब्रायन एक अमेरिकन टेलीविजन होस्ट, कॉमेडियन, एक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर हैं। कॉनन ओ'ब्रायन 'लेट नाइट विद कॉनन ओ'ब्रायन' (1993-2009), 'द टुनाइट शो विद कॉनन ओ'ब्रायन' (2009-2010) और 'कॉनन' (2010-2021) जैसे लेट नाइट टॉक शोज की मेजबानी के लिए जाने जाते हैं।

इस फिल्म को मिले सबसे ज्यादा अवॉर्ड्स ऑस्कर 2025 'अनोरा' के नाम रहा। सेक्स वर्कर की कहानी पर आधारित इस फिल्म को पांच कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिले हैं

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569